खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-223

बार काउंसिल यू-टर्न

नालसार छात्रों पर नामांकन रोक का आदेश वापस

नई दिल्ली/हैदराबाद, 13 अगस्त (एजेंसियां)।
भारत के मुख्य न्यायाधीश के कार्यक्रम का विरोध करने वाले देश के प्रतिष्ठित विधि संस्थान नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद के छात्रों को लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अपने पहले के आदेश से यू-टर्न ले लिया है। बार काउंसिल ने नालसार के वर्ष 2026 बैच के विद्यार्थियों के अधिवक्ता के रूप में नामांकन पर रोक लगाने संबंधी अपना पुराना आदेश वापस ले लिया है। इससे पहले बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने राज्य बार काउंसिलों को निर्देश दिया था कि नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के वर्ष 2026 बैच के स्नातकों का अधिवक्ता के रूप में नामांकन फिलहाल न किया जाए। हालांकि, इस निर्णय के बाद विभिन्न स्तरों पर विरोध शुरू हो गया। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने भी बार काउंसिल के इस कदम का विरोध किया था। अब बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अपने दूसरे आदेश में कहा है

कि जांच-पड़ताल से यह सामने आया है कि अधिकांश छात्र बेकसूर थे और उनका उद्देश्य भारत के मुख्य न्यायाधीश का अपमान करने वाली किसी गतिविधि में शामिल होना नहीं था।

बार काउंसिल ने इसके साथ ही अपना पूर्व आदेश वापस ले लिया, जिसमें राज्य बार काउंसिलों से नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के वर्ष 2026 बैच के स्नातकों को अधिवक्ता के रूप में नामांकित नहीं करने के लिए कहा गया था।

विवाद की शुरुआत नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद में प्रस्तावित दीक्षांत समारोह से हुई थी। समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाए जाने पर कुछ छात्रों ने आपत्ति जताई थी।

इसके बाद बार काउंसिल ने अपने पहले आदेश में विश्वविद्यालय से इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। साथ ही, राज्य बार काउंसिलों को निर्देश दिया गया था कि नालसार के वर्ष 2026 बैच के छात्रों का अधिवक्ता के रूप में नामांकन फिलहाल न किया जाए।

प्रमुख भूमिका निभाने वालों की पहचान करने को भी कहा गया था

बार काउंसिल ने विश्वविद्यालय से उन व्यक्तियों की पहचान करने के लिए भी कहा था, जिन्होंने कथित रूप से विरोध अभियान को शुरू करने, उसका आयोजन करने, समन्वय करने अथवा अन्य छात्रों को इस अभियान से जोड़ने में प्रमुख भूमिका निभाई थी।

बताया गया कि कुछ छात्रों ने जंतर-मंतर पर पुलिस कार्रवाई से जुड़े एक हालिया सुप्रीम कोर्ट मामले में मुख्य न्यायाधीश की कथित टिप्पणियों को लेकर उन्हें दीक्षांत समारोह का मुख्य अतिथि बनाए जाने पर आपत्ति जताई थी।

हालांकि, पूरे मामले की जांच और बढ़ते विरोध के बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अपना पूर्व आदेश वापस ले लिया है। अब अधिकांश छात्रों को राहत मिल गई है और उनके अधिवक्ता के रूप में नामांकन पर लगी रोक समाप्त हो गई है।

चमोली में टनल हादसा पानी भरने से 7 की मौत

चमोली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।
उत्तराखंड के चमोली जिले के पीपलकोटी क्षेत्र में निर्माणाधीन करीब 3 किलोमीटर लंबी टनल में गुरुवार शाम भू-स्खलन के बाद पानी का रिसाव होने से बड़ा हादसा हो गया। टनल में पानी और मलबा भरने के कारण अंदर काम कर रहे 22 मजदूर फंस गए थे। हादसे में 7 मजदूरों की मौत हो गई। राज्य आपदा सचिव विनोद कुमार सुमन ने इसकी पुष्टि की है।

बचाव अभियान के दौरान टनल में फंसे सभी 22 मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया है। बाहर निकाले गए मजदूरों में दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतकों में मुकेश, प्रदीप पंवार, दुर्लभ शर्मा, विजय, जितेंद्र, लकेश्वर और घुनेश्वर शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, हादसा गुरुवार, 13 अगस्त की शाम करीब 7 बजे हुआ। पीपलकोटी के मायापुर क्षेत्र में टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में अचानक पानी का रिसाव होने के साथ भू-स्खलन हुआ। उस समय वहां काम कर रहे मजदूर टनल के अंदर फंस गए।

टनल में तेजी से पानी और मलबा भरने के कारण फंसे हुए मजदूरों तक पहुंचना बचाव दलों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। इसके बावजूद बचावकर्मियों ने लगातार अभियान चलाते हुए सभी मजदूरों को टनल से बाहर निकाल लिया।

जिलाधिकारी गौरव कुमार बचाव अभियान की निगरानी कर रहे थे। रात 9 बजे तक मौके पर पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, जिला आपदा मोचन बल और अग्निशमन सेवा के जवान तैनात थे।

इसके अलावा सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीमें भी बचाव कार्य में जुटीं। राष्ट्रीय एवं राज्य आपदा मोचन बल की अतिरिक्त टीमों को गौचर और जोशीमठ से भी घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। चमोली जिले में 7 फरवरी 2021 को तपोवन टनल में भी ऐसा ही एक भीषण हादसा हुआ था। उस समय आई विनाशकारी बाढ़ के कारण तपोवन-विष्णुगाड़ जलविद्युत परियोजना की सुरंगों में भारी मात्रा में पानी और मलबा भर गया था। ▶8पर

सुखबीर बादल पर कृपाण से हमला

पंजाब में नशे की समस्या से नाराज था आरोपी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।
शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित गुरुद्वारा साहिब में कृपाण से हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान जसपाल सिंह के रूप में हुई है, जो पिछले करीब दो वर्षों से गुरुद्वारा माता साहिब देवन जी में सेवादार के रूप में सेवा कर रहा था।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी की उम्र करीब 60 से 62 वर्ष है और वह मूल रूप से पुणे का रहने वाला है। वह नांदेड़ स्थित गुरुद्वारे में अकेले रहकर सेवा कर रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार

उसे निहंग संप्रदाय से जुड़ा बताया गया है। हमले के बाद आरोपी ने कथित रूप से दो बार कहा, मैं आत्मसमर्पण करता हूं। नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक नीलाभ रोहन ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान आरोपी ने पंजाब में नशे की समस्या का उल्लेख करते हुए नाराजगी जताई है। ▶8पर

रचनात्मक कांग्रेस सम्मेलन में बोले राहुल

'...तो मैं आरएसएस का सपोर्ट करूंगा'

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।
कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बड़ा बयान दिया। राजधानी दिल्ली के मावलंकर हॉल में आयोजित रचनात्मक कांग्रेस सम्मेलन में उन्होंने कहा कि यदि कभी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अभिव्यक्ति को देश से बाहर करने की कोशिश की गई तो वह स्वयं उसकी रक्षा करेंगे।

राहुल गांधी ने कहा, जिस दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अभिव्यक्ति को देश से बाहर करने की कोशिश शुरू हुई, उस दिन मैं उनकी रक्षा करूंगा, क्योंकि उनकी भी अभिव्यक्ति की आजादी है।

राहुल गांधी ने कहा कि छोटे कारोबारी कभी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वास्तविक ताकत हुआ

करते थे, लेकिन नोटबंदी और वस्तु एवं सेवा कर के गलत तरीके से लागू होने के कारण इसी वर्ग को बड़ा नुकसान पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया कि संघ में बड़े कॉरपोरेट प्रभाव की शुरुआत प्रमोद महाजन के दौर में हुई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया।उन्होंने दावा किया कि अब पुराना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाप्त हो चुका है और संगठन बड़े ▶8पर

प्रोफेसर का बड़ा दावा

पहले पाकिस्तान फोड़ेगा परमाणु बम!

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।
परमाणु युग में सबसे बड़ा और भयावह सवाल यह है कि यदि भविष्य में कभी परमाणु हथियारों का इस्तेमाल होता है तो सबसे पहले कौन सा देश इसका उपयोग कर सकता है। इसी विषय पर चीन में जन्मे कनाडाई शिक्षाविद एवं भू-राजनीतिक मामलों के जानकार जियांग ज़्यूकिन ने एक बड़ा दावा किया है। जियांग ज़्यूकिन ने कहा कि यदि उन्हें अनुमान लगाना हो कि भविष्य में सबसे पहले कौन सा देश परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है, तो उनकी आशंका भारत और पाकिस्तान में से किसी एक देश, विशेषकर पाकिस्तान को लेकर होगी। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी आसन्न परमाणु युद्ध की भविष्यवाणी नहीं कर रहे हैं और व्यक्तिगत रूप से उन्हें लगता है कि उनके जीवनकाल में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना लगभग शून्य है।

पॉडकास्ट में जताई आशंका

प्रोफेसर जियांग ज़्यूकिन यूट्यूबर राज शमानी के एक पॉडकास्ट में शामिल हुए थे, जिसके वीडियो 11 अगस्त को प्रकाशित किए गए थे। बातचीत के दौरान भविष्य में किसी सैन्य संघर्ष में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर एक प्रकार की वैश्विक निषेध भावना है। इसके बावजूद उन्होंने यह आशंका जताई कि यदि कभी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो भारत-पाकिस्तान संघर्ष इसका संभावित केंद्र हो सकता है।उनके अनुसार, पाकिस्तान द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका का कारण परमाणु युद्ध की इच्छा नहीं, बल्कि देश की राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य कमजोरियां हो सकती हैं। उनका तर्क था कि किसी अत्यधिक गंभीर आपातकालीन स्थिति में निर्णय लेने और नियंत्रण व्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है।

भारत को परमाणु हथियारों की जरूरत नहीं पड़ेगी

जियांग ने अपने विश्लेषण में कहा कि भारत और पाकिस्तान की रणनीतिक स्थिति एक जैसी नहीं है। उनके अनुसार भारत के पास पारंपरिक सैन्य क्षमता अधिक होने के कारण उसे पाकिस्तान के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 23°

राम मंदिर ट्रस्ट सीईओ दौड़

योगेश्वर राम मिश्रा-राजेश पांडे प्रबल दावेदार

अयोध्या, 13 अगस्त (एजेंसियां)।
अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए चयन प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस पद के लिए साक्षात्कार का दौर पूरा हो गया है और अब तीन नामों का अंतिम पैनल तैयार किया गया है, जिसे जल्द ही ट्रस्ट को सौंपा जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस पद की दौड़ में उत्तर प्रदेश के दो चर्चित अधिकारियों के नाम सबसे आगे बताए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, योगेश्वर राम मिश्रा और राजेश पांडे के नाम पर सबसे अधिक चर्चा हो रही है। योगेश्वर राम मिश्रा सीधे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नहीं हैं, बल्कि प्रांतीय सिविल सेवा से पदोन्नत

होकर भारतीय प्रशासनिक सेवा में पहुंचे हैं। काशी कॉरिडोर के निर्माण एवं उसके प्रबंधन के दौरान उनके अनुभव और कार्यों को देखते हुए उन्हें इस पद का मजबूत दावेदार माना जा रहा है। वहीं, राजेश पांडे प्रदेश के चर्चित एवं तेजतर्रार पुलिस अधिकारियों में रहे हैं। उन्हें मुठभेड़ विशेषज्ञ के रूप में भी जाना जाता है और पुलिस सेवा में उनके अनुभव को इस महत्वपूर्ण पद के लिए उपयोगी माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, काशी विश्वनाथ ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी प्रांतीय सिविल सेवा पृष्ठभूमि से जुड़े अधिकारी हैं। देश के कई बड़े धार्मिक ट्रस्टों के प्रशासन और प्रबंधन में भी सरकार की ओर से अनुभवी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इसी तर्ज पर राम मंदिर के प्रबंधन के लिए भी अनुभवी, ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी की तलाश की जा रही है। इन मानकों पर योगेश्वर राम मिश्रा और राजेश पांडे को मजबूत दावेदार माना जा रहा है, ▶8पर

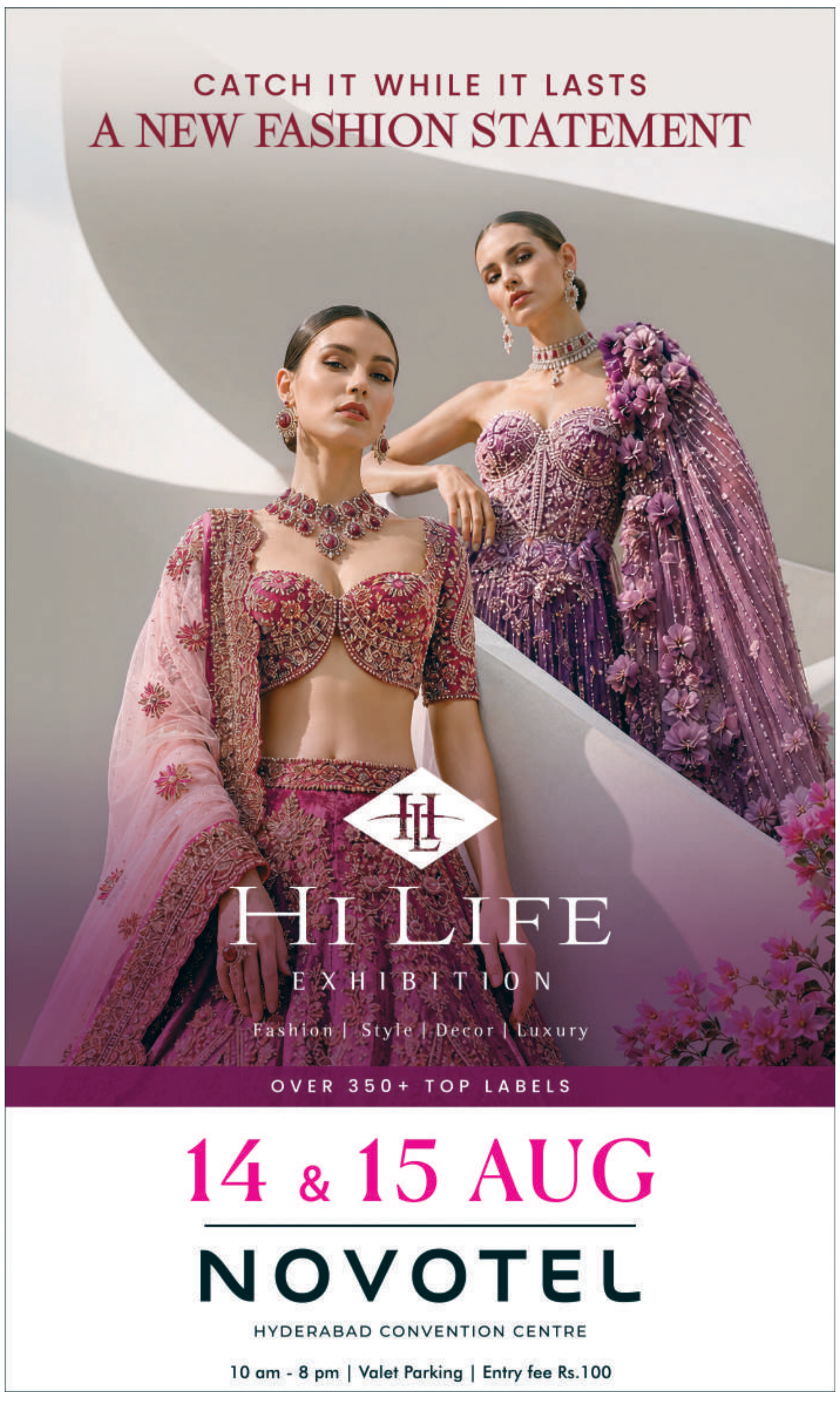

बलोचिस्तान के सुराब जिले में पाकिस्तानी वायु सेना की बमबारी में 20 से ज्यादा नागरिकों की मौत

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलोचिस्तान के राष्ट्रवादी और राजनीतिक संगठन बलोच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) ने बलोचिस्तान के सुराब (सोराब) जिले के गदर इलाके में पाकिस्तान वायुसेना की बमबारी को युद्ध अपराध बताया है। आबादी वाले इलाकों में जेट हमले में 10 साल से कम उम्र के मासूम बच्चों समेत 20 से ज्यादा आम नागरिक मारे गए हैं। बमबारी से बलोचिस्तान में मानवाधिकारों और आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार बीएनएम के प्रवक्ता ने कहा कि आम नागरिकों पर बमबारी करना और मासूम बच्चों की जान लेना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और जिनेवा कन्वेंशन का साफ उल्लंघन है। बलोचिस्तान में आम नागरिकों के खिलाफ पाकिस्तान सेना का इस्तेमाल रुकना चाहिए। बीएनएम ने यूरोपियन यूनियन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से इस मानवीय संकट पर चुप रहने के बजाय तुरंत और असरदार कदम उठाने की अपील की है।

प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान की सेना के मीडिया एवं जनसंपर्क विभाग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एकतरफा प्रोपेगैंडा और झूठे बयानों को जगह देने के बजाय अंतरराष्ट्रीय मीडिया को बिना किसी भेदभाव के तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट करनी चाहिए। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार बलोचिस्तान के चगाई जिले के माहियान कोर इलाके में हथियारबंद लोगों ने एक निजी खनिज कंपनी की खदान पर हमला कर लाखों रुपये की मशीनरी जब्त कर ली है।

रिपोर्ट के मुताबिक हथियारबंद लोग इसके बाद कंपनी के गार्ड व अन्य मजदूरों को अपने साथ ले गए। इन मजदूरों में गिलगित के वजाहत, वाजिद, शाहिद, सबर के अलावा स्थानीय श्रमिक जियाउद्दीन, शाह सलीम, चगाई और सईद मोहम्मद शामिल हैं। चगाई पुलिस के अनुसार, बंधकों को छुड़ाने की कोशिश की जा रही है।

उधर, डेरा बुगती जिले के सुई स्थित गैस अधिकारियों ने कहा कि धमाके के बाद क्वेटा के कोलपुर, माछ, मस्तुंग, कलात, पाशिन और जियारत समेत कई इलाकों में गैस आपूर्ति रोक दी गई है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मौके पर गैस पाइपलाइन से आग की लपटें निकल रही हैं। धमाका मेन हाइवे से 800 मीटर की दूरी पर पाइपलाइन के वाल्व असेंबली में हुआ। इस धमाके की अभी तक किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

न्यूज ब्रीफ

साढ़े पांच माह बाद नेपाल लौटे पूर्व प्रधानमंत्री देउवा, राष्ट्रीय एकता का आह्वान

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के पूर्व सभापति शेरबहादुर देउवा स्वदेश लौट आए हैं। वह गुरुवार को बैंकाक के रास्ते नेपाल पहुंचे। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर नेपाली कांग्रेस के नेताओं, कार्यकर्ताओं और शुभेच्छुकों ने उनका स्वागत किया। पिछले वर्ष सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान देउवा और उनकी पत्नी आरजु राणा देउवा पर हमला किया गया था। इस दौरान उनके घर में आगजनी भी की गई थी। घटना के बाद उपचार के लिए देउवा सिंगापुर चले गए थे। इसके बाद मार्च में वह आगे के उपचार के लिए सिंगापुर होते हुए हांगकांग पहुंचे थे। करीब साढ़े पांच महीने बाद हांगकांग से बैंकाक होते हुए गुरुवार को देउवा नेपाल लौटे। देउवा का स्वागत करने के लिए कांग्रेस के पूर्व कार्यवाहक सभापति पूर्णबहादुर खड्का सहित नेता प्रकाशमान सिंह, कृष्णप्रसाद सिटौला, आनंद ढुंगाना, मोहन बस्नेत और विमलेन्द्र निधि समेत कई नेता विमानस्थल पहुंचे। नेपाल लौटने के बाद देउवा ने पार्टी के भीतर एकता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वह सत्ता या शक्ति हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से सक्रिय होने के लिए लौटे हैं। देउवा ने कहा कि नेपाली कांग्रेस को एकजुट होकर देश में सक्रिय अन्य सभी राजनीतिक दलों के साथ भी सहमति और सहयोग के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने पार्टी के भीतर दिखाई दे रहे मतभेद और निराशा को तत्काल दूर करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को तुर्किये का औपचारिक निमंत्रण

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को तुर्किये की ओर से औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह निमंत्रण

द्विपक्षीय यात्रा के लिए नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित 31वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिया गया है। प्रधानमंत्री शाह को विदेश यात्रा के लिए मिला यह दूसरा औपचारिक निमंत्रण है। इससे पहले भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उन्हें भारत यात्रा के लिए आमंत्रित कर चुके हैं। भारत के निमंत्रण के जवाब में नेपाल के विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री शाह की ओर से कहा है कि वे उपयुक्त समय पर भारत की यात्रा करेंगे। हालांकि, तुर्किये के राष्ट्रपति के निमंत्रण का जवाब नेपाल की ओर से अभी नहीं भेजा गया है। तुर्किये इस वर्ष 9 नवंबर से 20 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। राष्ट्रीय सभा की विकास, आर्थिक मामलों तथा सुशासन समिति की बैठक में विदेश मंत्रालय के संयुक्त राष्ट्र प्रभाग के प्रमुख सह सचिव कृष्णप्रसाद ढकाल ने इसकी जानकारी दी। ढकाल ने समिति की बैठक में कहा कि तुर्किये के राष्ट्रपति की ओर से प्राप्त निमंत्रण प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय को भेज दिया गया है। हालांकि, प्रधानमंत्री सम्मेलन में भाग लेंगे या नहीं, इस बारे में अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री शाह सितंबर-अक्टूबर में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में भी शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह विदेश मंत्री शिशिर खनाल को भेजे जाने की तैयारी है। तुर्किये ने जलवायु परिवर्तन के लिहाज से संवेदनशील पर्वतीय देश नेपाल को विशेष महत्व देते हुए यह निमंत्रण दिया है।

दक्षिणी लेबनान में इजराइली कार्रवाई पर भड़के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम, व्यवस्थित विनाश का लगाया आरोप

बेरूत/तेल अवीव। दक्षिणी लेबनान में इजराइली सैन्य कार्रवाई को लेकर तनाव बढ़ गया है। लेबनान के

प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने इलाके में घरों, बुनियादी ढांचे और अन्य नागरिक संपत्तियों के कथित व्यवस्थित विनाश की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया है। सलाम ने एक बयान में कहा कि दक्षिणी लेबनान में इजराइली हमले, सैन्य घुसपैठ, मकानों को गिराना और घरों, बुनियादी ढांचे, सरकारी इमारतों तथा धार्मिक स्थलों का कथित व्यवस्थित विनाश अंतरराष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने गांवों और कस्बों को पूरी तरह सैन्य प्रतिष्ठान बताए जाने के इजराइली दावे पर भी सवाल उठाया। सलाम के मुताबिक, किसी इलाके को सैन्य क्षेत्र बताना वहां के घरों को नष्ट करने, लोगों को विस्थापित करने और उन्हें वापस लौटने से रोकने का औचित्य नहीं हो सकता। वहीं, इजराइल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने दक्षिणी लेबनान का दौरा किया और कहा कि इजराइली सेना कथित सुरक्षा क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बनाए रखेगी। काट्ज ने दावा किया कि इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) इलाके में भूमिगत ढांचे को नष्ट करने की कार्रवाई कर रहा है।

व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट देंगी इस्तीफा, राष्ट्रपति ट्रंप का ट्रुथ सोशल पर खुलासा

वाशिंगटन

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट बहुत जल्द ही अपना पद छोड़ देंगी। उन्हें व्हाइट हाउस में सबसे ताकतवर और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सबसे करीबी अधिकारी माना जाता है। ट्रंप ने लेविट के फैसले का स्वागत किया है। राष्ट्रपति ने इस महीने के आखिर तक व्हाइट हाउस से कैरोलिन लेविट की होने वाली विदाई की जानकारी अपने ट्रुथ सोशल में बुधवार को दी। उन्होंने लिखा, व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट मेरी सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक हैं। वह महीने के आखिर में अपना पद छोड़ देंगी। इसके बाद वह अपना ज्यादा से ज्यादा समय परिवार और अपने प्यारे और छोटे बच्चों के साथ बिताएंगी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने लिखा, मैं लेविट के इस फैसले का पूरी तरह सम्मान करता हूं। कैरोलिन अब मेरे बाहरी सलाहकारों में सबसे मुख्य होंगी और रिपब्लिकन पार्टी में प्रभावशाली आवाज बनेंगी। वह मध्यावधि चुनाव में सहयोग करेंगी। कैरोलिन ने व्हाइट हाउस में शानदार नेतृत्व किया है।उन्होंने 2018 से न्याय आजादी और स्वतंत्रता के लिए लड़ा है। इसमें 2024 का ऐतिहासिक चुनाव अभियान भी शामिल है। कैरोलिन की गिनती व्हाइट हाउस के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रेस सेक्रेटरी में से एक के रूप में की जाएगी। इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।

इस घटनाक्रम पर सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया कि मध्यावधि चुनाव में अब तीन महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में व्हाइट हाउस से राष्ट्रपति के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक का जाना बड़ा बदलाव होगा। यह बदलाव ट्रंप के लिए एक मुश्किल समय में हो रहा है। ईरान के साथ चल रहे युद्ध और गैस की ऊंची कीमतों के बीच उनकी अप्रूवल रेटिंग कम है और ज्यादातर अमेरिकी मानते हैं कि उन्होंने देश की सबसे अहम समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया है। 28 वर्षीय लेविट सबसे कम उम्र की व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी बनकर इतिहास रच चुकी हैं।

ट्रंप के पहले कार्यकाल के मुकाबले लेविट दूसरे कार्यकाल में सबसे ताकतवर अधिकारी बनकर उभरीं। उन्होंने राष्ट्रपति और उनकी नीतियों का मजबूती के साथ बचाव किया। मुश्किल सवाल पूछने वाले पत्रकारों से भिड़ीं जरूर पर दोस्ताना संबंध कभी नहीं तोड़े। माइक्रोफोन के पीछे और सोशल मीडिया पर उन्होंने खुद को अच्छी पत्नी और कामकाजी मा के तौर पर पेश किया। वे अपने छोटे बेटे निको को एयर फोर्स वन और ओवल आफिस ले जाती रही हैं। व्हाइट हाउस में ईस्टर एग रोल और हैलोवीन सेलिब्रेशन के दौरान अपने पति के साथ फोटो खिंचवाती रही हैं। खुद से एप्पल पाई बनाती रही हैं और अपनी नवजात बेटी विवियाना के साथ प्यार भरे पल बिताती रही हैं।

लेविट ने ट्रंप की पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सच तो यह है कि बेटी के जन्म के बाद व्हाइट हाउस लौटने पर मुझे दिल से महसूस हुआ कि मुझे अब बेहतरीन मां बनने के लिए कुछ सोचना होगा। व्हाइट हाउस छोड़ने के फैसले से मैं खुश भी हूं और दुखी भी हूं। उल्लेखनीय है कि 1 मई को बेटी के जन्म के बाद लीविट ने व्हाइट हाउस से लगभग एक महीने की छुट्टी ली थी। जब जुलाई 2024 में लीविट के पहले बच्चे का जन्म हुआ, तो उन्होंने सिर्फ चार दिन की छुट्टी ली थी।

ट्रंप के पहले कार्यकाल के बाद लीविट ने अपने गृह राज्य न्यू हैम्पशायर से कांग्रेस का आम चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। फिर 2024 के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान वे एक भरोसेमंद चेहरा बन गईं। अब जैसे-जैसे 2026 के मध्यावधि चुनाव सरगर्मी बढ़ रही है, लीविट बाहर से एक अहम संदेशवाहक के तौर पर उभर सकती हैं। उन्होंने बुधवार को लिखा भी, मैं हमेशा रिपब्लिकन पार्टी की समर्थक रहूंगी। उधर, व्हाइट हाउस में यह तस्वीर साफ नहीं हो सकी है कि लेविट की जगह कौन लेगा।

बांग्लादेश में 11 दलों के विपक्षी गठबंधन ने रिटायर्ड कर्नल ओली अहमद को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया

ढाका (बांग्लादेश)

बांग्लादेश में विपक्षी जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 पार्टियों के गठबंधन ने 20 अगस्त को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए कर्नल (रिटायर्ड) ओली अहमद को उतारा है। वह जमात नेता एएचएम हामिदुर रहमान के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल के साथ निर्वाचन भवन पहुंचे और मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन को नामांकन पत्र सौंपा।

रिपोर्ट के अनुसार, नामांकन पत्र में जमात अमीर डा. शफीकुर रहमान (सांसद) ने ओली अहमद को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित किया। एनसीपी सांसद अब्दुल्ला अल अमीन ने इसका समर्थन किया। ओली लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के चेयरमैन हैं। राष्ट्रपति पद के लिए मतदान 20 अगस्त को होना है। मुख्य चुनाव आयुक्त को राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिटर्निंग आफिसर बनाया गया है।

उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1991 के तहत वोटिंग के लिए 20 अगस्त को जातीय संसद भवन के सेशन चैंबर में सांसदों की बैठक बुलाई है। नामांकन पत्रों की जांच 16 अगस्त को होगी। 18 अगस्त तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। मतदान 20 अगस्त को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक जातीय संसद के सेशन चैंबर में होगा। राष्ट्रपति चुनाव में कुल 349 सांसद मतदाता हैं। अभी एक संसदीय सीट चट्टोग्राम-4 निर्वाचन क्षेत्र, खाली है। यह 35 साल में पहला राष्ट्रपति चुनाव होगा जिसमें एक से ज्यादा उम्मीदवार होंगे। 1991 के बाद पहली बार राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होगा।

ग्रामीण विकास मंत्री मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर का नाम पहले ही मीडिया में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के संभावित राष्ट्रपति उम्मीदवार के तौर पर सामने आ चुका है। 24 जुलाई को मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद ने कार्यवाहक राष्ट्रपति का पदभार संभाला। संविधान के अनुच्छेद 123(2) के अनुसार, इस्तीफे के कारण राष्ट्रपति का पद खाली होने के 90 दिनों के भीतर उस पद को भरने के लिए चुनाव कराना जरूरी है।

चीन की तरफ आए भारी भूस्खलन से नेपाल की भोटेकोशी नदी का बहाव हुआ बाधित

काठमांडू। चीन के न्यालम स्थित झिम्मु पोस्ट के पास गुरुवार को बड़े पैमाने पर भूस्खलन होने से नेपाल के भोटेकोशी नदी का बहाव प्रभावित हुआ है। भूस्खलन के कारण नदी का करीब आधा हिस्सा अवरुद्ध हो गया है। सिन्धुपाल्चोक जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार गुरुवार को भोटेकोशी गाउँपालिका के लिपिङ के सामने चीन क्षेत्र में पत्थर और मिट्टी सहित भारी भूस्खलन हुआ। इसके कारण चीन से नेपाल की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी के प्रवाह में बाधा उत्पन्न हुई है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि नदी का बहाव प्रभावित होने के कारण किसी भी समय अचानक बाढ़ या अन्य आपदा की स्थिति पैदा हो सकती है।संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए भोटेकोशी, बाह्रबीसे और बलेफी गाउँपालिका क्षेत्रों में नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी अपनाने का आग्रह किया गया है।

इराक से पूरी तरह हटेगी अमेरिकी सेना 30 सितंबर को उठेगा आखिरी डेरा

बगदाद

आज से 23 साल पहले सद्दाम हुसैन की सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए इराक में दाखिल हुई अमेरिकी सेना अब वहां से पूरी तरह वापस लौटने जा रही है। अमेरिका आगामी 30 सितंबर तक इराक से अपने सभी सैनिकों को पूरी तरह बुला लेगा। इराकी प्रधानमंत्री अली अल-जैदी के कार्यालय ने इस अंतिम तारीख के तय होने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। इसके साथ ही, साल 2003 से शुरू हुआ अमेरिका का एक लंबा और उथल-पुथल भरा सैन्य अध्याय हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। इराकी प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि 1 अक्टूबर से इराक में किसी भी विदेशी सैन्य मौजूदगी के बिना एक पूरी तरह से नए और स्वतंत्र दौर की शुरुआत होगी।

अमेरिकी सेना की वापसी की यह अंतिम तारीख प्रधानमंत्री अली अल-जैदी और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद तय की गई है। इराकी प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, 30 सितंबर तक इस्लामिक स्टेट के खिलाफ चल रहे अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन का सैन्य अभियान पूरी तरह समाप्त हो जाएगा और सैनिकों की वापसी का यह चरणबद्ध अभियान भी पूरा हो जाएगा। इस ऐतिहासिक कदम को इराक की संप्रभुता से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक अक्टूबर का दिन देश के लिए एक नए सवेरे की तरह होगा, क्योंकि इस दिन के बाद इराक किसी भी विदेशी सैन्य हस्तक्षेप या मौजूदगी से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। गौरतलब है कि अमेरिका की इराक में सैन्य उपस्थिति की शुरुआत 2003 के सैन्य आक्रमण से हुई थी, जिसके बाद से लगातार दो दशकों तक अमेरिकी सैनिक वहां डटे रहे। हालांकि, दोनों देशों ने साल 2024 में ही इस्लामिक स्टेट के प्रभाव को कमजोर होते देख इस सैन्य अभियान को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने पर सहमति बना ली थी। हालांकि, अमेरिकी सैनिकों की इस विदाई का यह कतई मतलब नहीं है कि दोनों देशों के कूटनीतिक और सामरिक रिश्ते खत्म हो रहे हैं। इराकी पक्ष ने साफ किया है कि भविष्य में अमेरिका के साथ संबंध आर्थिक विकास, तकनीकी सहयोग और आपसी हितों के आधार पर गरिमापूर्ण तरीके से आगे बढ़ाए जाएंगे।

नेपाल में वरिष्ठ पत्रकार को आधी रात गिरफ्तार किया गया, सुबह घर और दफ्तर पर छापा, विपक्ष ने विरोध जताया

काठमांडू

नेपाल में वरिष्ठ पत्रकार एवं जनआस्था साप्ताहिक के प्रधान संपादक किशोर श्रेष्ठ की गिरफ्तारी पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। बुधवार देररात हुई गिरफ्तारी के बाद पत्रकारों ने जिला प्रशासन कार्यालय के सामने रातभर धरना दिया। गुरुवार सुबह श्रेष्ठ के आवास और जनआस्था साप्ताहिक के कार्यालय में छापा मारने के बाद मामला और गंभीर हो गया है।

श्रेष्ठ की गिरफ्तारी को लेकर पत्रकार संगठनों ने इसे प्रेस तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया है। पत्रकारों का आरोप है कि एक समाचार प्रकाशित किए जाने के बाद श्रेष्ठ को गिरफ्तार किया गया और उनसे समाचार के स्रोत के बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

श्रेष्ठ की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में पत्रकार जिला प्रशासन कार्यालय के बाहर पहुंच गए। पत्रकारों ने रातभर धरना देते हुए उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि किसी प्रकाशित समाचार को लेकर शिकायत है तो कानूनी प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए, लेकिन पत्रकार को रात के समय गिरफ्तार कर दबाव में लेना लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रेस स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है।

गिरफ्तारी के बाद गुरुवार सुबह पुलिस ने श्रेष्ठ के घर और जनआस्था साप्ताहिक के कार्यालय में भी छापेमारी की। इस कार्रवाई ने पत्रकारों के बीच यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या किसी समाचार की रिपोर्टिंग को लेकर पत्रकार के आवास और मीडिया कार्यालय में इस तरह की कार्रवाई उचित है।

श्रेष्ठ और जनआस्था इससे पहले भी विवादों में रहे हैं। मई 2026 में श्रेष्ठ से जुड़ा एक विवादित आडियो सार्वजनिक हुआ था, जिसमें उन पर एक राजनीतिक नेता के खिलाफ समाचार प्रकाशित करने के लिए पैसे लेने का आरोप लगाया गया था। श्रेष्ठ ने आरोपों को खारिज करते हुए इसे अपने और अपने मीडिया संस्थान को बदनाम करने की साजिश बताया था।

श्रेष्ठ की गिरफ्तारी के खिलाफ माओवादी अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल प्रचण्ड समेत विपक्षी दलों के नेताओं ने सरकार की कार्रवाई का विरोध किया है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि समाचार लिखने के कारण किसी पत्रकार को गिरफ्तार करना प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है।

विपक्ष ने सरकार से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि श्रेष्ठ को किस कानूनी आधार पर गिरफ्तार किया गया और प्रकाशित समाचार में ऐसा क्या अपराध था जिसके कारण गिरफ्तारी जैसी कार्रवाई आवश्यक हुई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं । कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे- कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली-भांति पड़ताल कर लें। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अपने करीबियों या रिश्तेदारों के साथ मिलकर बिजनेस कर रहे हैं उन्हें आज बहुत सोच समझकर कदम रखने की जरुरत है नहीं तो आर्थिक नुक्सान हो सकता है। आपको अपनी एक-सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर-सपाटा करने की ज़रूरत है। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे- जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। कामकाज के नज़रिए से आज का दिन वाक़ई सुचारू रूप से चलेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिना किसी अनुभवी शख्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है।लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सेहत बढ़िया रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा-बहुत तनाव भी पैदा होगा। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। सहकर्मी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। शापिंग को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें । आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप अपने प्रिय को पर्याप्त समय न दें, तो वह नाराज़ हो सकता/सकती है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। अपने जीवनसाथी के साथ प्यार-मुहब्बत के लिए काफ़ी वक़्त मिलेगा, लेकिन सेहत गड़बड़ हो सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम ख़ूबसूरत तोहफ़ों और फूलों से भरपूर रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। व्यापार मे प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और लाभ कराएंगे। यह दिन दाम्पत्यजीवन के लिए खुशनुमा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन-साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर पार्टि का लुत्फ उठा सकते है। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। प्यार के सकारात्मक संकेत आपको मिलेंगे। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद ले सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 अगस्त 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 06:48 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 03:43 तक
योग : परिघ प्रातः 09:28 तक
करण : बालव प्रातः 07:42 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : चन्द्रदर्शन , सिंधारा , स्वामी श्री करपात्री जी जयंती
चातुर्मास व्रत वाले मनुष्य को श्रावण मास में हरी सब्जी खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

महापुरुषों के गुणगान से अशुभ कर्म-गोत्र का बंधन कटता है : राजमतीजी म.सा.

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावस 2026 के अंतर्गत बम्ब सिंघी भवन में परम पूज्य श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म.सा. 'मधुकर' की परंपरा के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. 'भीम' के सान्निध्य में जिनशासन चंद्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएँपूज्य श्री राजमतीजी म.सा. 'राजुल', पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. एवं नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा.सुख-सातापूर्वक विराजमान हैं।

संघ के मंत्री अशोक सिंघवी ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सर्वप्रथम पूज्य महासती श्री जीव्याश्रीजी म.सा. ने गुरु आनंद के गुणगान करते हुए सुंदर स्तवन से आचार्य श्री आनंदऋषिजी म.सा. के 126वें जन्म-जयंती आनंदोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जन्मदिन तभी सार्थक होता है जब जीवन में अनुभव की रचना उत्पन्न हो। जन्म लेने से कोई महान नहीं बनता, जन्म के बाद महान बनता है। आचार्य आनंदऋषिजी ने स्वयं के बारे में कभी नहीं सोचा, सदैव दूसरों के हित और खुशी के बारे में सोचते रहे और श्रमण संघ के आचार्य बने।पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रमण संघ की फुलवारी में आनंद रूपी फूल खिला, जिसकी सुगंध लोक में फैली। पिता नेमीचंद और माता उल्शा की कुक्षि से जन्म लेकर उन्होंने घर, गुरु-बाग और संघ-समाज को महकाया। 126 वर्ष पूर्व सावन शुक्ल एकम को महाराष्ट्र के चिंचोड गाँव में जन्मे इस महापुरुष की जयंती मनाते हुए उन्होंने कहाज्योति से ज्योत जलाते चलो, प्रेम की गंगा बहाते चलो।

पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. ने ओजस्वी उद्बोधन में कहाजय आनंद आनंद गाये जा, चरणों में शीश झुकाये जा। उन्होंने स्पष्ट किया कि महापुरुषों का गुणगान मोक्ष-मार्ग का एक सुगम रास्ता है। हम तीर्थंकर या 16 सतियाँ तो नहीं बन सकते, पर सच्चे श्रावक अवश्य बन सकते हैं। महापुरुषों के गुणगान से अशुभ कर्म-गोत्र का बंधन कटता है और पुण्य की राह खुलती है। हँस-हँसकर कर्म बाँध लिए, अब रो-रोकर काटना कठिन है। पुण्यवाणी संचित करने का मार्ग जिनवाणी ही दिखाती है।

सभा का संचालन चातुर्मास संयोजक पारस डोसी ने किया। उन्होंने बताया कि आयंबिल-एकासना की शृंखला निरंतर चल रही है। आज का आयंबिल चेतनाजी सिंघवी और एकासना नंदाजी कोठारी ने किया। नवकार महामंत्र जाप भी जारी है। चेन्नई से नरेंद्रजी गुग्गलिया परिवार गुरु-दर्शनार्थ उपस्थित रहे।

आगामी रविवार 16 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर विशेष प्रवचन व जाप के साथ जैन महिला मंडल मलकपेट द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं बच्चों का धार्मिक शिविर आयोजित होगा। कार्यक्रम के पश्चात गौतमप्रसादी का लाभ सम्पतराजजी मदनराजजी लोकेशकुमारजी तनिष्ककुमारजी भरतकुमारजी पोकरणा परिवार (शा-हअलीबंदा) ने लिया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के पुरस्कार लाभार्थी पारसमलजी पुखराजजी मनीषजी लोकेशजी तातेड परिवार हैं। कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु-वंदना के साथ हुआ। श्रद्धालुओं ने धर्म-लाभ प्राप्त कर पूज्य साध्वीवृंद का आशीर्वाद ग्रहण किया।

बंगाल के 'फ्लैग मैन' हैदराबाद में, तिरंगे के सम्मानपूर्ण निपटान पर जागरूकता अभियान

उत्सव खत्म, सम्मान जारी रहे – स्वतंत्रता दिवस के बाद तिरंगे का क्या होता है?

स्कूलों में छात्रों से संवाद, सही प्रदर्शन व सम्मानजनक निपटान सिखाएंगे

दो-तीन साल तक चलेगी जागरूकता मुहिम, गणतंत्र दिवस पर होगा पूर्ण कार्यशाला

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
स्वतंत्रता दिवस पर देशभर में तिरंगा फहराया जाता है, लेकिन उत्सव खत्म होने के बाद राष्ट्रीय ध्वज का क्या होता है? इस अहम पहलू पर ध्यान आकर्षित करने के लिए पीआर और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स का मंच पीआर कम्युनिटी ने पश्चिम बंगाल के 'फ्लैग मैन' श्री प्रिय रंजन सरकार को हैदराबाद आमंत्रित किया है।

पहल का संदेश साफ है – उत्सव खत्म। सम्मान जारी रहे। तिरंगे का सम्मान सिर्फ फहराने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसके सम्मानजनक निपटान तक भी जारी रहना चाहिए।

श्री प्रिय रंजन सरकार अपने भाई श्री रणाबर और दुभाषिया श्री सैकत बनर्जी के साथ हावड़ा से हैदराबाद पहुंचे। पीआर कम्युनिटी के प्रतिनिधियों के साथ वे स्कूलों का दौरा कर छात्रों को तिरंगे के सही प्रदर्शन, देखभाल और सम्मानपूर्ण निपटान के बारे में जागरूक करेंगे।

इस मुहिम से जुड़े फिलिप जोशुआ, डॉ. अंकित भटनागर और डी. रामचंद्रम ने बताया कि वे नावेन जिंदल, फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया, रक्षा कर्मियों और श्री सरकार सहित कई विशेषज्ञों से संपर्क कर चुके हैं। समय की कमी के कारण अभी बड़ा कार्यशाला संभव नहीं हो सका, लेकिन यह एक बार की कोशिश नहीं है। अगले दो-तीन साल तक यह जागरूकता अभियान जारी रहेगा।

गणतंत्र दिवस के आसपास एक पूर्ण-दिवसीय जन-जागरूकता कार्यशाला आयोजित करने की योजना है, जिसमें तिरंगे का इतिहास, फ्लैग कोड, सही प्रदर्शन, क्या करें-क्या न करें, बच्चों में जागरूकता और उत्सव के बाद झंडों का सम्मानजनक निपटान जैसे विषय शामिल होंगे।

लक्ष्य स्पष्ट है – अपना तिरंगा जानो। अपना तिरंगा सम्मानित करो। क्योंकि देशभक्ति उत्सव खत्म होने के साथ खत्म नहीं होनी चाहिए।

हाईलाइफ रेडिएंस स्पेशल अगस्त एग्जीबिशन का भव्य शुभारंभ

फेस्टिव, वेडिंग व ब्राइडल वियर के बेहतरीन विकल्प एक छत के नीचे

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
देश की सबसे बड़ी फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जीबिशन ब्रांड हाईलाइफ एग्जीबिशन ने 'रेडिएंस स्पेशल अगस्त' के साथ हैदराबाद में भव्य शुभारंभ किया। यह प्रदर्शनी 13, 14 और 15 अगस्त 2026 को एचआईसीसी-नोवोटेल, हाईटेक सिटी में आयोजित हो रही है।

इस मौके पर 350 से अधिक डिजाइनर अपनी खास कलेक्शंस लेकर पहुंचे हैं। प्रदर्शनी में डिजाइनर स्पेशल्स, फेस्टिव एंड वेडिंग स्पेशल्स, ट्रेंडिंग फैशन्स, ग्लैमर, स्टाइल, लग्जरी और कई अन्य आकर्षक आइटम्स प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

एग्जीबिशन के भव्य लॉन्च पर अभिनेत्री निद्धि अग्रवाल, अभिनेत्री प्रीती सुंदर समेत हैदराबाद की कई हस्तियां, फैशन लवर्स और फैशन एंथुजियास्ट्स मौजूद रहे।

हाईलाइफ एग्जीबिशन के एमडी एंड सीईओ श्री एबी पी. डोमिनिक ने इस अवसर पर कहा, हाईलाइफ एग्जीबिशन फेस्टिव, लाइफस्टाइल और वेडिंग शॉपिंग के लिए देश की सबसे प्रसिद्ध, सबसे पसंद की जाने वाली और सबसे बड़ी एग्जीबिशन ब्रांड्स में से एक है। हम हैदराबाद में अपनी सबसे चर्चित रेडिएंस स्पेशल एग्जीबिशन प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसमें क्रिएटिव फैशन वियर, ट्रेंडिंग फैशन्स, डिजाइनर स्पेशल्स, फेस्टिव स्पेशल्स, ब्राइडल वियर, वेडिंग वियर, एक्सेसरीज, ज्वेलरी और बहुत कुछ शामिल है।श्री डोमिनिक ने आगे बताया कि रेडिएंस स्पेशल में भाग ले रहे 350 से अधिक डिजाइनर कुछ बेहद खास ट्रेंड्स और स्टाइल्स पेश कर रहे हैं। एचआईसीसी-नोवोटेल में आयोजित यह प्रदर्शनी फैशन, लग्जरी, डेकोर, स्टाइल, ट्रेंड्स, वेडिंग स्पेशल्स और ब्राइडल वियर को एक छत के नीचे लाकर आगंतुकों को उद्योग के बेहतरीन विकल्प उपलब्ध करा रही है।हाईलाइफ एग्जीबिशन देश की अपनी तरह की सबसे बड़ी फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जीबिशन है। टॉप फैशन लेबल्स, टॉप डिजाइनरों और कलात्मक कलेक्शंस की वजह से यह शॉपर्स के लिए अवश्य देखने योग्य प्रदर्शनी बन गई है।

युवा शक्ति से ही देश की प्रगति: भाजपा

पेद्दापल्ली, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि युवाओं की शक्ति का सही उपयोग हो तो देश का विकास तेज गति से होगा। छात्रों में बचपन से ही देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना विकसित करना आवश्यक है।

गुरुवार को पेद्दापल्ली सरकारी जूनियर कॉलेज परिसर में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के अंतर्गत उन्होंने विशाल ध्वजारोहण रैली का शुभारंभ किया। भाजपा जिला अध्यक्ष करे संजीव रेड्डी के तत्वावधान में आयोजित इस रैली में लगभग 10 हजार छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय ध्वज लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य तरीके से मनाया जाए: अतिरिक्त कलेक्टर

पेद्दापल्ली, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अतिरिक्त कलेक्टर बी. श्रीरामुलु ने गुरुवार को डीसीपी राम रेड्डी के साथ एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों को 15 अगस्त के समारोह को भव्य तरीके से आयोजित करने के निर्देश दिए। सरकारी सचेतक चिन्तकुंता विजय रमना राव इन समारोहों के मुख्य अतिथि होंगे। अतिरिक्त कलेक्टर ने परेड के पूर्वाभ्यास का भी निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान राजस्व मंडल अधिकारी बी. गंगाया, कलेक्ट्रेट प्रशासन अधिकारी बी. प्रकाश एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पिता की हत्या कर शव जलाया, बेटे ने रची गुमशुदगी की कहानी

मंचेरियाल, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के जयपुर मंडल में पिता की हत्या कर शव जलाने और मामले को गुमशुदगी के रूप में पेश करने के आरोप में पुलिस ने 23 वर्षीय भिमिनी उदय को गिरफ्तार किया है। जयपुर सीआई नवीन कुमार ने बताया कि उदय के प्रेम विवाह से पिता लक्ष्मण नाराज रहते थे और अक्सर विवाद करते थे। 21 जुलाई 2025 को उदय अपने पिता को बाइक पर गोल्लावागु परियोजना क्षेत्र ले गया, जहां गला दबाकर उनकी हत्या कर दी और पेट्रोल छिड़ककर शव जला दिया। हत्या के बाद परिवार के साथ मिलकर तलाश का नाटक किया गया और चेन्नूर थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। 30 जुलाई को जंगल में शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान लक्ष्मण के रूप में हुई। पुलिस ने लाल रंग की हीरो ग्लैमर बाइक जब्त कर ली है।

सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों के खाली पद, मरीजों को नहीं मिल रहा पूरा इलाज

मंचेरियाल, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल सरकारी जनरल अस्पताल (जीजीएच) में मेडिकल स्टाफ के कई पद खाली होने से मरीजों को पूरी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। स्वीकृत 484 पदों में से केवल 416 कर्मचारी कार्यरत हैं, जबकि 68 महत्वपूर्ण पद खाली पड़े हैं। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध होने के बावजूद डॉक्टरों और स्टाफ की कमी का असर सेवाओं पर पड़ रहा है। मंचेरियाल, आसिफाबाद जिलों के साथ महाराष्ट्र से भी मरीज आते हैं, लेकिन कई विभागों में डॉक्टर न होने से उन्हें निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। अस्पताल की मुख्य इमारत जर्जर हो चुकी है। सर्जरी के लिए केवल एक ऑपरेशन थिएटर उपलब्ध है, जो सिर्फ ऑर्थोपेडिक्स विभाग इस्तेमाल कर रहा है। पिछले चार साल से नेत्र सर्जरी भी ठप पड़ी है। रेडियोलॉजिस्ट की कमी से गर्भवती महिलाओं को भी समस्या हो रही है।अस्पताल प्रभारी अधीक्षक डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि खाली पदों की सूची उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। जर्जर भवन के कारण सभी प्रकार की सर्जरी संभव नहीं हो पा रही, फिर भी मरीजों को बेहतर सेवा देने का प्रयास जारी है।

हर घर तिरंगा अभियान से देशभक्ति की भावना मजबूत होगी: सरपंच

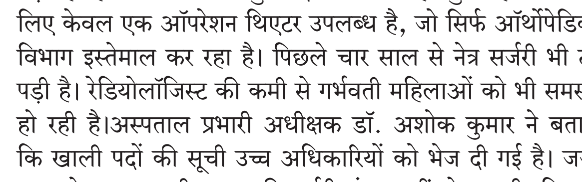

मदनूर, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के बड़ा शक्करगा सरपंच विशालाक्षी ने गुरुवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत स्थानीय जनता को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा चलाया जा रहा राष्ट्रव्यापी जन-आंदोलन है। इसका उद्देश्य नागरिकों को अपने घरों और कार्यस्थलों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना, देशभक्ति की भावना जगाना और तिरंगे के साथ व्यक्तिगत संबंध को मजबूत करना है। यह अभियान स्वतंत्रता दिवस के आसपास, विशेषकर 13 से 15 अगस्त के दौरान पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है।

मदनूर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का युवा सम्मेलन संपन्न

मदनूर, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) – राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में गुरुवार को मदनूर मंडल केंद्र स्थित मंगल कार्यालय में एक युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन में वक्ताओं ने राष्ट्रवाद और देशभक्ति विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि देशभक्ति और राष्ट्रवाद में मूलभूत अंतर है। देशभक्त सभी राष्ट्रों को समान भाव से देखता है, जबकि राष्ट्रवाद लोगों को एक साझा शत्रु के विरुद्ध एकजुट करता है। वहीं देशभक्ति राष्ट्र की समृद्धि और विकास के लिए लोगों को एकजुट करती है। राष्ट्रवाद में अक्सर अन्य राष्ट्रों के प्रति द्वेष और आक्रामकता की प्रवृत्ति देखी जाती है। इस अवसर पर विभागीय संपर्क प्रमुख श्रीधर, सह-विभागीय प्रचारक प्रकाश सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों और युवाओं ने भाग लिया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तिरूपति भगवान वेंकटेश्वर की मूर्ति की कुछ अनोखी बातें

मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर, दाईं ओर एक एक छडी रहती है जिसका इस्तेमाल वहां उपस्थिति वेंकटेश्वर स्वामी को हिट करने के लिए अनंतालवर के द्वारा किया जाता था। जब इस छड का इस्तेमान नन्हे बालक के रूप में वेंकटेश्वर को मारने के लिए किया गया था, तो उनकी ठोडी पर चोट लग गई थी। तब से वेंकटेश्वर को चंदन का लेप ठोडी पर लगाये जाने की शुरूआत की गई।

इस मंदिर में वेंकटेश्वर स्वामी की मूर्ति पर लगे हुए बाल उनके असली बाल हैं। ऐसा कहा जाता है कि ये बाल कभी उलझते नहीं है और हमेशा इतने ही मुलायम रहते हैं। इस मंदिर से 23 किमी दूर एक गांव स्थित है। इस गांव में सिर्फ वही लोग आ जा सकते हैं जो इस गांव के निवासी हो। इस गांव के लोग, सख्त नियमों के साथ अपना जीवन बिताते हैं। इसी गांव से भगवान वेंकटेश्वर के लिए, फूल, दूध, घी, मक्खन आदि सामग्री जाती है। वेंकटेश्वर स्वामी की स्थापना, गर्भ गुदी के मध्य में की गई है, ऐसा प्रतीत होता है। लेकिन वास्तव में, जब आप इसे बाहर से खड़े होकर देखें, तो पाएंगे कि यह मंदिर के दाईं ओर स्थित है। मूर्ति पर चढाये जाने वाले सभी फूलों और तुलसी पत्रों को भक्तों में न बांटकर, परिसर के पीछे बने पुराने कुएं में फेंक दिया जाता है। स्वामी का पिछला हिस्सा सदैव नम रहता है। अगर आप ध्यान से कान लगाकर सुनें तो आपको सागर की आवाज सुनाई देती है। गुरूवार के दिन, मंदिर में निज रूप दर्शनम् का आयोजन किया जाता है, जिसमें सफेद चंदन के पेस्ट से स्वामी को रंग दिया जाता है। जब इस लेप को हटाया जाता है तो माता लक्ष्मी के चिन्ह् बने रह जाते हैं। इन चिन्हों को मंदिर के अधिकारियों द्वारा बेच दिया जाता है। जिस प्रकार जब किसी की मृत्यु हो जाती है तो पीछे मुडकर नहीं देखा जाता है और न ही रोशनी की जाती है। उसी प्रकार, इस मंदिर के पुजारी, पूरे दिन मूर्ति के पुष्पों को पीछे फेंकते रहते हैं और उन्हें नहीं देखते हैं। मंदिर में चढाये जाने वाले फूलों को दूर स्थित एक विशेष गांव से लाया जाता है।

इस मंदिर में एक दीया कई सालों से जल रहा है किसी को नहीं ज्ञात है कि इसे कब जलाया गया था। 1800 में, इस मंदिर को कुल 12 वर्षों के लिए बंद कर दिया गया था। उस दौरान, एक राजा ने 12 लोगों को दंडस्वरूप मौत की सजा दी और मंदिर की दीवार पर लटका दिया। कहा जाता है कि उस समय विमान वेंकटेश्वर स्वामी प्रकट हुए थे।

बालाजी की मूर्ति पर पचाई कर्पूरम चढाया जाता है जो कपूर से मिलकर बना होता है। अगर इसे किसी साधारण पत्थर पर चढाया जाये, तो वह कुछ ही समय में चटक जाये, लेकिन मूर्ति पर इसका प्रभाव नगण्य रहता है। मूर्ति का तापमान 110 फारेनहाईट रहता है, जबकि इसे प्रतिदिन सुबह 4:30 बजे ही जल, दूध से स्नान करा दिया जाता है। स्नान कराने के बाद मूर्ति से पसीना आता है जिसे पोंछा जाता है।

जानिए, एक मोर का पंख हमारे जीवन कि दिशा बदलने में कितना सहायक है

देवताओं के सेनापति कहे जाने वाले शिव पुत्र कार्तिकेय मोर पर सवार होकर असुरो के साथ हुए युद्ध में विजय दिलवाए थे। क्या आप जानते हैं मोर के पंख हमारे लिए कितना उपयोगी है।

मोर के पंख का उपयोग। यही मोर का पंख हमारे ज्योतिष-शास्त्र एवं वास्तु शास्त्र के द्वारा मनुष्य जीवन में कितना भाग्यशाली सिद्ध होता है कि एक मोर का पंख हमारे जीवन कि दिशा बदलने में कितना सहायक है।

इसे नित्य प्रयोग में लाने से असंभव कार्य भी संभव से होने लगते है। निम्न प्रयोगों के द्वारा आप भी शुभ मोर के पंखों से लाभ उठा सकते है। घर के दक्षिण-पूर्व कोण में लगाने से बरकत बढती है, व अचानक कष्ट नहीं आता है। यदि मोर का एक पंख किसी मंदिर में श्री राधा-कृष्ण कि मूर्ती के मुकुट में 40 दिन के लिए स्थापित कर प्रतिदिन मक्खन-मिश्री का भोग सांयकाल को लगाए, 41वें दिन उसी मोर के पंख को मंदिर से दक्षिणा-भोग दे कर घर लाकर अपने खजाने या लाकर्स में स्थापित करें। तो ऐसा माना जाता है कि धन,सुख-शान्ति कि वृद्धि हो रही है। सभी रुके हुए कार्य पूरे होंगे ।

काल-सर्प के दोष को भी दूर करने की इस मोर के पंख में अद्भुत क्षमता है। काल-सर्प वाले व्यक्ति को अपने तकिये के खौल के अंदर 7 मोर के पंख सोमवार रात्री काल में डालें तथा प्रतिदिन इसी तकिये

का प्रयोग करे। और अपने बैड रूम की पश्चिम दीवार पर मोर के पंख का पंखा जिसमे कम से कम 11 मोर के पंख तो हों लगा देने से काल सर्प दोष के कारण आयी बाधा दूर होती है। बच्चा जिदी हो तो इसे छत के पंखे के पंखों पर लगा दे ताकि पंखा चलने पर मोर के पंखो की भी हवा बच्चे को लगे धीरे-धीरे हठ व जिद कम होती जायेगी। जैसे कि पहलें वर्णन किया कि मोर व सर्प में शत्रुता है अर्थात सर्प, शनि तथा राहू के संयोग से बनता है। यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार में या अपनी जेब व डायरी में रखा हो तो राहू का दोष कभी भी नहीं परेशान करता है। तथा घर में सर्प, मच्छर, बिच्छू आदि विषेलें जंतुओं का भय नहीं रहता है। नवजात बालक के सिर की तरफ दिन-रात एक मोर का पंख चांदी के ताबीज में डाल कर रखने से बालक डरता नहीं है तथा कोई भी नजर दोष और अला-बला से बचा रहता है।

यदि शत्रु अधिक तंग कर रहें हो तो मोर के पंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिन्दूर से मंगलवार या शनिवार रात्री में उसका नाम लिख कर अपने घर के मंदिर में रात भर रखें प्रात:काल उठकर बिना नहाये धोए चलते पानी में बहा देने से शत्रु, शत्रुता छोड कर मित्रता का व्यवहार करने लगता है।

क्यों करें, अंतिम समय में दीप दान

मृत्यु जीवन का अंतिम कटु सत्य है। मृत्यु के लिए दो कार्य आवश्यक हैं। प्रथम, मनुष्य जब पांच तत्वों अर्थात जल, वायु, आकाश, पृथ्वी व अग्नि का कर्ज चुका दे तब मृत्यु को प्राप्त होगा। दूसरा, वह स्थान, वह विधि जब स्थूल शरीर को मिल जाए, जहां मृत्यु होनी है तब मृत्यु होगी। जहां अंतिम सांस ली वह उसका मृत्यु का स्थान था। जब हम मृत पड गए शरीर को अग्नि को समर्पित करते हैं तो वह पांचों तत्वों का कर्ज चुकाता है। इसलिए ही शव को जलाने का चलन है। चिता की अग्नि में देह भस्तसात् हो जाती है। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है। शास्त्र कहते हैं कि अंश अपनी अंशी के पास पहुंचकर ही विश्रम लेता है। इसी प्रकार, चैतन्य प्राण वायु के रूप में प्रवाहित अग्नितत्व अपने उद्गम स्थल सूर्चपिंड में पहुंचकर ही विश्रम लेता है। दीपक मृतक आत्मा के पथ को प्रकाशित कर, उसे गंतव्य पर पहुंचने में सहयोग करता है। ज्योतिष की दृष्टि से कितने घंटे का एक प्रहर होता है। तीन घंटे अर्थात साढे सात घटी का एक प्रहर होता है।चौबीस घंटे में कितने प्रहर होते हैं। आठ पहर होते हैं। आठों पहरों के नाम, दिन में- पूर्वार्ध, मध्याह्, अपराह्, सायं, रात्रि में-प्रदोष, निशीथ, त्रियामा, उषा। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है।

पूजा में तांबे के बर्तन का उपयोग क्यूं किया जाता है

आप जब भी मंदिर जाते होगें तो वहां पर मौजूद लोगों के हाथों में कभी चांदी, तांबा या स्टील के बर्तन जरुर देखते होगें। हिन्दू धर्म में सोना,

चांदी और तांबे के बर्तन काफी पवित्र माने गए हैं। हिन्दू धर्म में ऐसा माना गया है कि ये धातुएं कभी अपवित्र नहीं होती है। पूजा में इन्ही धातुओं के यंत्र भी उपयोग में लाए जाते हैं क्योंकि इन से यंत्र को सिद्धि प्राप्त होती है। वहीं दूसरी जगह अगर देखा जाए तो लोहा, स्टील और एल्यूमीनियम के धातु अपवित्र माने जाते हैं। अगर आप स्टील की प्लेट का इस्तमाल पूजा के लिये करते हैं, तो इनका प्रयोग तुरंत ही बंद कर दें क्योंकि यह धातु पूरी तरह से अपवित्र माने जाते हैं और धार्मिक क्रियाकलापों में इन धातुओं के बर्तनों के उपयोग की मनाही की गई है।

इन धातुओं की मूर्तियां भी नहीं बनाई जाती। लोहे में हवा पानी से जंग लगता है। एल्यूमीनियम से भी कालिख निकलती है। इसलिए इन्हें अपवित्र कहा गया है। जंग आदि शरीर में जाने पर घातक बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए लोहा, एल्युमीनियम और स्टील को पूजा में निषेध माना गया है। पूजा में सोने, चांदी, पीतल, तांबे के बर्तनों का उपयोग करना चाहिए। हिंदू धर्म में नारियल का महत्व अगर आपके लिये सोने और चांदी के बर्तन महंगे हैं, तो आप तांबा का प्रयोग कर सकते हैं। यह उनके तुलना में सस्ता है और मंगल कार्य हेतु बहुत ही अच्छा धातु है। माना जाता है कि तांबे के बर्तन का पानी पीने से खून साफहोता है। इसलिए जब पूजा में आचमन किया जाता है तो अचमनी तांबे की ही रखी जानी चाहिए क्योंकि पूजा के पहले पवित्र क्रिया के अंतर्गत हम जब तीन बार आचमन करते हैं तो उस जल से कई तरह के रोग दूर होते हैं और रक्त प्रवाह बढता है। इससे पूजा में मन लगता है और एकाग्रता बढती है।

नटराज: कहानी नृत्य करते शिव की

नटराज एक बहुत ही प्रसिद्ध नाचते हुए देवता की मूर्ती है। जिन्हें नृत्य का शौक होता है वे अपने सामने नटराज जी की मूर्ती रखते हैं और उन्हें प्रणाम कर के ही अपना नृत्य शुरु करते हैं। यह नटराज भगवान दरअसल शिव जी का स्वरूप हैं। नटराज शिवजी का एक नाम है उस रूप में जिस में वह सबसे उत्तम नर्तक हैं। नटराज दो शब्दों से मिल कर बना है- नट अथार्त कला और राज का अर्थ है राजा। शिव का तांडव नृत्य प्रसिद्ध है। भगवान शिव को आमतौर पर विनश के साथ जोडा जाता है और हमेशा उन्हें गुस्से में ही दिखाया गया है। लेकिन बहुत ही कम लोग यह जानते हैं कि शिव जी को संगीत और नृत्य से कितना ज्यादा प्यार था। नटराज अवतार एक संदेश था कि अज्ञानता को केवल ज्ञान, संगीत और नृत्य ही दूर कर सकता है। शिव के तांडव के दो स्वरूप हैं। पहला उनके क्रोध को दिखाता है और दूसरा आनंदरप्रदान करने वाला तांडव। प्राचीन आचार्यों के मतानुसार शिव के आनन्द तांडव से ही सृष्टी अस्तित्व में आती है तथा उनके रौद्र तांडव में सृष्टी का विलय हो जाता है। शिव कानटराज स्वरूप भी उनके अन्य स्वरूपों की ही भातिं मनमोहक तथा उसकी अनेक व्याख्यायँ हैं। आइये दर्शन करते हैं भारत के प्रसिद्ध शिव मंदिरों के नटराज शिव की प्रसिद्ध प्राचीन मुर्ति के चार भुजाएं हैं, उनके चारो ओरअग्नि के घेरें हैं। उन्होंने अपने एक पांव से एक बौने को दबा रखा है तथा दूसरे पांव से नृत्य मुद्रा में उपर की ओर उठा है। उन्होने अपने पहले दाहिने हाथ में डमरू पकडा है। डमरू की आवाज सृजन का प्रतीक है। ऊपर की ओर उठे हुए उनके दूसरे हाथ में आग है जो कि विनाश का प्रतीक है। उनका दुसरा दाहिना हाँथ अभय (या आशिस) मुद्रा में उठा हुआ है जो कि हमें बुराईयों से रक्षा करता है। नटराज का जो पांव उठा हुआ है वह मोक्ष दर्शाता है। इसका अर्थ यह है कि शिव मोक्ष के मार्ग का सुझाव करते हैं। कहा जाता है कि शिव के चरणों में मोक्ष है। जो बौना शिव के पैरों तले दबा हुआ है वह अज्ञान का प्रतीक है। शिव जी अज्ञान का विनाश करते हैं।

क्या कोई वस्तु शुभ या अशुभ होता है या ये अंधविश्वास है

कोई वस्तु शुभ या अशुभ नहीं होती ,शुभ-अशुभ के अंधविश्वास से निकलकर हमें हर वस्तु की उपयोगिता परखनी चाहिए बचपन से हम सुनते आए हैं कि घर में अमुक वस्तुएं रखना शुभ होता है और अमुक रखना अशुभ होता है। किसी चीज से घर के सदस्यों के बीच में प्यार बढने का दावा किया जाता है तो किसी चीज से तकरार बढने का। किसी से घर में सुख-समृद्धि का आगमन बताया जाता है तो किसी से अभाव का। लेकिन सही बात यह है कि ये बातें सिर्फ अंधविश्वास हैं, क्योंकि इन बातों में तार्किकता का अभाव है। वास्तव में कोई भी चीज शुभ या अशुभ नहीं होती। किसी भी वस्तु को शुभ या अशुभ बनाता है उसका उपयोग। सीधी-सी बात है कि यदि किसी वस्तु के इस्तेमाल का परिणाम अच्छा है, तो वह वस्तु शुभ और परिणाम अच्छा नहीं है तो अशुभ होगी। चाकू को ही लीजिए। घर में रोजमर्रा के कामों में उसकी उपयोगिता व महत्व को नकारा नहीं जा सकता। एक सर्जन सर्जिकल नाइफ से ही ऑपरेशन कर मरीज की जान बचाता है। अत: एक डॉक्टर के हाथ का चाकू उपयोगी व अनिवार्य होने के कारण वह चाकू शुभ ही माना जाएगा, लेकिन यदि किसी चाकू का इस्तेमाल किसी व्यक्ति की हत्या करने जैसे कार्य के लिए किया जाता है, तो वह चाकू का दुरुपयोग है। अत: वह चाकू अशुभ माना जाना चाहिए। किसी चीज का सदुपयोग अथवा दुरुपयोग ही उसे शुभ या अशुभ बनाता है।

शुभ या अशुभ का आधार इस्तेमाल की जाने वाली चीज की उपयागिता भी हो सकता है। जिस वस्तु का कोई उपयोग ही न हो वह कैसी शुभ या अशुभ हां, कुछ कलाकृतियां हो सकती हैं, जिनका वैसे तो कोई उपयोग नहीं होता, लेकिन कला की दृष्टि से वे मूल्यवान हो सकती हैं। लेकिन कोई भी कलाकृति सुंदर या आकर्षक अथवा बहुमूल्य या अल्पमूल्य हो सकती है, शुभ या अशुभ नहीं। एक व्यक्ति बाजार में घूम-घूम कर एक मूर्ति बेच रहा था और कह रहा था कि यह मूर्ति स्वयं जमीन से प्रकट हुई है और बहुत शुभ है। जो भी इसे अपने घर में स्थापित करेगा, उसके घर में हर प्रकार की समृद्धि में वृद्धि होगी। एक व्यक्ति ने उस मूर्ति के दाम पूछे। बेचने वाले ने कहा, 'दस हजार रुपये।' पूछने वाले ने कहा, 'ऐसी मूर्तियां तो एक हजार रुपये में मिल जाती हैं, दस गुने दाम मैं क्यों दूं जहां तक समृद्धि की बात है तो आप स्वयं क्यों नहीं इसे अपने घर में स्थापित कर लेते यहां सडकों पर क्यों मारे-मारे फिर रहे हैं और लोगों को ठग रहे हैं। हमें शुभ-अशुभ के चक्रमें मूर्ख नहीं बनना चाहिए। अपनी व्यावहारिक बुद्धि का इस्तेमाल करके चीजों की उपयोगिता पर भी विचार अवश्य कर लेना चाहिए।

मां कात्यायनी के ध्यान मात्र से मिलता है अर्थ व मोक्ष का वरदान

नवरात्रि के छठें दिन मां कात्यायनी देवी को पूजा की जाती है। इनकी कृपा से सारे कार्य पूरे हो जाते हैं। वे बैद्यनाथ नामक स्थान पर प्रकट हुईं थीं। भगवान कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा की थी। यह पूजा कालिंदी यमुना के तट पर की गई थी।

अत: ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। कात्य गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यान ने भगवती पराम्बा की कठिन उपासना की थी। ऋर्षि की इच्छा थी कि उन्हें पुत्री प्राप्त हो। मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। इसलिए देवी कात्यायनी कहलाईं। मां के दायीं तरफ का ऊपर वाला हाथ अभय मुद्रा में हैं तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में है। मां के बाईं तरफऊपर वाले हाथ में तलवार है और नीचे वाले हाथ में कमल है। मां का वाहन सिंह है।

फल की प्राप्ति इनकी उपासना से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। लोगों का रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाता है। इस देवी की उपासना करने से परम पद की प्राप्ति होती है।

बिना गुरु अवतार भी नहीं हुए पार

भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि ब्रहमा और शंकर जैसा व्यक्ति भी गुरु के बिना संसार से पार नहीं उतर सकता है। गुरु की महत्ता को ही समर्पित दिन है गुरु पूर्णिमा। अपने गुरुओं के दर्शन कर जीवन को आलोकित करने का अवसर। इस वर्ष गुरु पूर्णिमा, 31 जुलाई के दिन है। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है, 'गुरु बिनु भवनिधि तरइ न कोई/ जो बिरंचि संकर सम होई।' भले ही कोई व्यक्ति ब्रहमा और शंकर के समान क्यों न हो वह गुरु बिना भवसागर से पार नहीं उतर सकता है। गुरु को भारतीय संस्कृति में अहम पद प्रदान किया गया है और उन्हीं गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर लाती है गुरु पूर्णिमा। आषाढ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहा जाता है। यह दिन गुरुओं की महत्ता रेखांकित करता है। पूरे भारत में इस दिन लोग अपने-अपने गुरुओं के दर्शन कर जीवन को धन्य करते हैं, नई राह पाते हैं। कई श्रद्धालु इस दिन गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करते हैं। ब्रज में इस दिन को 'मुडिया पूनो' कहा जाता है। गुरु पूर्णिमा का यह दिन महाभारत को रचने वाले कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्म दिवस भी है। उन्होंने चारों वेद रचे। वेदों की रचना करने के कारण वे वेद व्यास कहलाए। वे वेदों की रचना कर आदि गुरु कहलाए और उनके प्रति आदर के कारण ही गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस तरह गुरु पूर्णिमा का दिन जीवन को प्रकाश से आलोकित करने वाले गुरु के प्रति आभार की अभिव्यक्ति का दिन है। भारत भूमि पर जितने भी

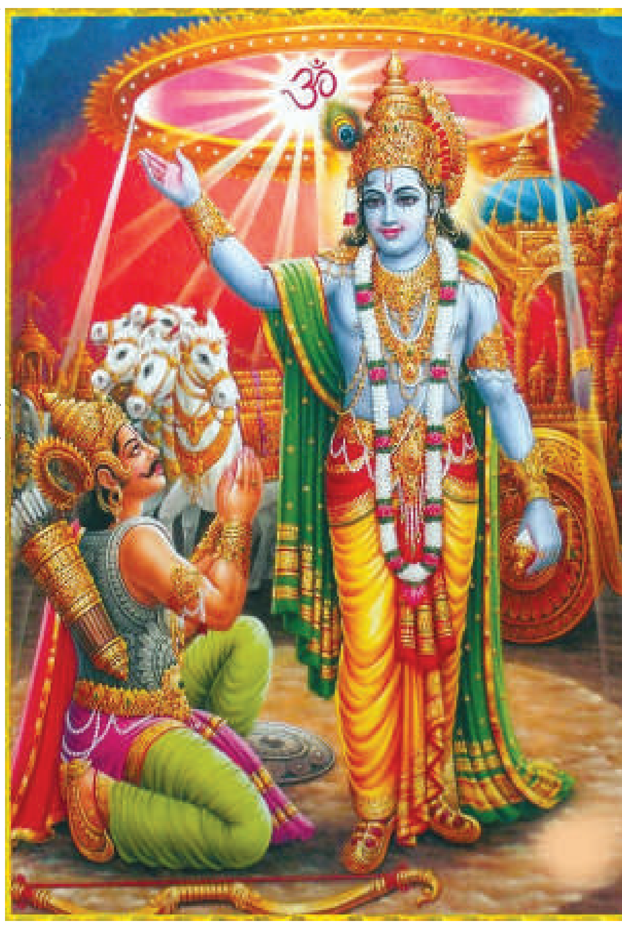

अवतार अवतरित हुए उनके गुरु भी हुए हैं। श्रीराम के गुरु वशिष्ठ थे तो श्रीकृष्ण के सांदीपनी। तात्पर्य यही है गुरु होना जरूरी है। गुरु के बिना जीवन का उद्धार नहीं है। गुरु बनाने का एक दार्शनिक तात्पर्य हमारे यहां यह भी बताया गया है कि हमें हर किसी से सीखने का प्रयास करना चाहिए। यदि हमारे भीतर गुरु बनाने या सीखने का भाव नहीं है तो हमारी उन्नति अवरुद्ध हो सकती है। दत्तात्रेय ने चौबीस गुरु बनाए थे और उन्हें गुरुओं के गुरु भी कहा जाता है। वे जहां-जहां गए वहां जो भी मिला उससे सीखते गए और इस तरह वे गुरुओं के भी गुरु कहलाए। गुरु पूर्णिमा बताती है कि हम जीवन में बडों और छोटों से भी सीखने का प्रयास करें। गुरु महिमा का बखान हनुमान चालीसा में भी प्राप्त होता है जहां कवि तुलसीदास जी ने लिखा है 'कृपा करौ गुरुदेव की नाईं।' अर्थ यह है कि हे नाथ, मुझ गुरु समान कृपा कीजिए। हनुमानजी से यह प्रार्थना है कि वे गुरु भाव से हमें शरण में लें और हमारी चेतना को प्रखर बनाएं।

दुविधा में गुरु का सहारा गुरु को भारतीय संस्कृति में ऐसे आश्रय के तौर पर देखा गया है जो विपरीत या कठिन परिस्थितियों में हमारा मार्गदर्शन करता है। कुरुक्षेत्र में जब अर्जुन किंकर्तव्यविमूढ हो गया तो श्रीकृष्ण ने गुरु रूप में उसका मार्गदर्शन किया। उसे जीवन के सार से अवगत कराया। अर्जुन गुरु द्रोण से शस्त्र विद्या में पारंगत हुआ था लेकिन जब जीवन समर में अपनों से युद्ध की दुविधा सामने आई तो अर्जुन ठिठक गया और तब गुरु रूपी श्रीकृष्ण ने उसकी शंकाओं का समाधान किया। हमें भी जीवन में जब कभी शंकाएं घेरती हैं तो हमें गुरु ही मार्ग दिखाते हैं इसलिए गुरु की महत्ता है। हमारी समस्याओं का समाधान गुरु के पास होता है। क्या करें गुरु पूर्णिमा पर जिन्हें आपने अपना गुरु माना है उनके दर्शन करें और आशीर्वाद प्राप्त करें। हिन्दू शास्त्रों में आदि शंकराचार्य को जगतगुरु माना गया है तो उनकी पूजा इस दिन की जाना चाहिए।

एंटीबायोटिक के सेवन से बच्चों में एक्जिमा का खतरा

एंटीबायोटिक दवाएं शरीर में होने वाले किसी भी तरह के बैक्टीरियल इंफेक्शन को आगे फैलने से रोकती है। लेकिन अधिकतर लोगों को इसके सही तरीके से सेवन करते हैं। यहां तक कि बच्चे को वायरल इन्फेक्शन में भी एंटीबायोटिक दवाइयां देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छोटे बच्चों को एंटीबायोटिक देने से आगे चलकर उनमें एक्जिमा होने का खतरा बढ़ सकता है। एक अध्ययन के नतीजों में शोधकर्ताओं ने यह चेतावनी दी है। शोधकर्ताओं ने कहा कि जिन बच्चों को दो साल की उम्र से पहले एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती है, उन्हें बड़े होने पर एक्जिमा होने का 41 प्रतिशत से 56 प्रतिशत तक ज्यादा खतरा होता है। एक्जिमा त्वचा में दर्दयुक्त एलर्जी से जुड़ी बीमारी है। शोधकर्ताओं का मानना है कि बच्चों को काफी कम उम्र में एंटीबायोटिक देने से उनके पेट में कुदरती तौर पर मौजूद बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। इस स्थिति में उनका प्रतिरक्षा तंत्र हानिकारक बैक्टीरिया और रोगाणुओं से प्रभावी तरीके से निपटने में नाकाम हो जाता है। ऐसे बच्चे जब फूलों के पराग जैसे किसी अपेक्षाकृत हानिरहित बाहरी पदार्थ के संपर्क में आते हैं, तब उनका प्रतिरक्षा तंत्र अत्यधिक प्रतिक्रिया व्यक्त करता है, जिससे एलर्जी शुरू हो जाती है।

अपेंडिक्स के बारे में जरूरी बातें

अपेंडिक्स का दर्द काफी दर्दनाक होता है क्योंकि इस समस्या के दौरान डॉक्टरों के लिए भी ये पता लगाना मुश्किल होता है कि ये अपेंडिक्स का दर्द है या किसी और का। डॉक्टर कहते हैं कि सामान्य तौर पर अपेंडिक्स का इलाज सर्जिकल होता है लेकिन मरीज को शुरुआती समय में ही अच्छा एंटीबायोटिक देने और पूरा आराम देने पर भी अच्छा परिणाम देखने को मिलता है।

प्राकृतिक उत्पाद भी हो सकते हैं जहरीले

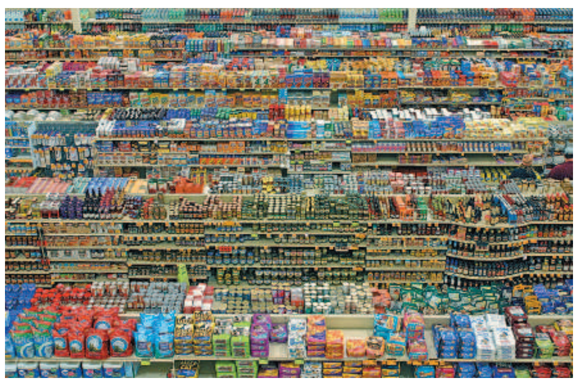

क्या आप नैचुरल प्रोडक्ट खरीदने के लिए अपना एक्स्ट्रा समय और एक्स्ट्रा पैसे खर्च करते हैं? ऑर्गेनिक शेम्पू ऑर्गेनिक टूथपेस्ट बोटेनिकल शेम्पू हर्बल फेशवॉश? आदि ऐसे ही कई हर्बल प्रोडक्ट खरीदने में अपना समय बिताते हैं और सोचते हैं कि इससे तो आप नुकसानदायक और दुष्प्रभावी कीटाणुओं से बच जाएंगे। लेकिन आप गलत हैं। क्योंकि हर वो चीज, जिस पर सेफ और नैचुरल का टैग लिखा होता है, जरूरी नहीं की सुरक्षित हो। फुड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कहता है कि इस तरह के टैग, जैसे की नैचुरल, सेफ, रिकमेंडेड और टेस्टेड , पूरी तरह से मार्केटिंग के शब्द है जिसका मतलब होता है कुछ भी या कुछ भी नहीं। साधारण सी बात है कि इन प्रोडक्ट को बनाने वालों को ऐसा दावा करने के लिए किसी भी प्रूफ की जरूरत नहीं होती। बल्कि इन शब्दों से उनकी बिक्री ही बढ़ती है जिस कारण इन शब्दों का इस्तेमाल आजकल हर प्रोडक्ट में किया जाता है।

निजी केयर प्रोडक्टः निजी केयर प्रोडक्ट जैसे की शेम्पू, शेविंग क्रीम, टूथपेस्ट आदि अन्य मेकअप के सामान कॉस्मेटिक में आते हैं। कॉस्मेटिक शब्द का मतलब हम समझते हैं हेल्दी और हाईजीन प्रोडक्ट। जबकि फुड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) इनको रेग्युलेट नहीं करती और ना ही इन प्रोडक्ट को ऐसा कोई लेबल देती है। एफडीए कहता है कि कटस्मेटिक बनाने वाली कंपनी किसी भी तरह की सामग्री या कच्चा मटेरियल इस्तेमाल करती है। और इन बने हुए प्रोडक्ट को बिना किसी सरकारी अप्रूवल के बेचती है।

ऐसे में आब आपके दिमाग में ये सवाल आ रहा होगा कि फिर इन्हें खरीदने लायक सुरक्षित होने का अफवाह कौन उड़ाता होगा?

89% सामग्री सुरक्षित नहींः कॉस्मेटिक इंग्रिडियेंट रिव्यु (सीआईआर) पेनल वर्तमान में कॉस्मेटिक प्रोडक्ट का चार्ज ली हुई है। एनवायरमेंटल वर्किंग ग्रुप ने पाया है कि पर्सन केयर के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट में जो 10,500 तरह के इंग्रिडियेंट मिले होते हैं उनमें से में 89% इंग्रिडियेंट को सीआईआर और एफडीए से कोई अप्रूवल नहीं मिला होता। यहां तक की इन प्रोडक्ट में मिले इन इंग्रिडियेंट को किसी भी तरह की सार्वजनिक एकाउंटेबल इंस्टिट्यूशन से भी प्रमाणित नहीं किया गया है।

फेयरनेस क्रीम्सः अब सबसे सामान्य कॉस्मेटिक के तौर पर किसी फेयरनेस क्रीम को ही लें। अब तो कई डर्मटॉलजिस्ट भी कह चुके हैं कि इन प्रोडक्ड्स में ब्लीच का इस्तेमाल किया गया होता है जिसके कारण ये इंसान को गोरा लुक प्रदान करते हैं। ये सच भी है। ज्यादा पिंग्मेंटेशन की समस्या है इन क्रीम से तभी ठीक होती है जब इसमें ज्यादा कैमिकल मौजूद होते हैं। लेकिन ये केमिकल्स हमारी स्किन को अंदर तक नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसा ही शेम्पू के साथ है। केमिकल्स से भरे ये शैम्पू बालों को काफी नुकसान पहुंचाते हैं।

कई प्रोडक्ट्स से होता है ब्रेस्ट कैंसरः कई कॉस्मेटिक उत्पादों से ब्रसेट् कैंसर की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। हाल ही में बर्कले की यूनीवर्सिटी ऑफ कैलोफोर्निया के एक रिसर्चर ने ये बात कही की अधिकतर कॉस्मेटिक्स में पैराबेन मौजूद होते हैं जो औरतों के शरीर के उन हार्मोन्स को एक्टिवेट कर देता है, जिनका ताल्लुक ब्रेस्ट कैंसर से होता है। इस स्टडी में इस बात की पुष्टि हुई है कि और इसे लेकर चिंता भी जाहिर की गई कि लंबे समय तक इन पैराबेन का हमारी बॉडी से कॉन्टेक्ट प्यूबर्टी और प्रेग्नेसी के दौरान नुकसान पहुंचाते हैं।

पेट के घाव भी भर जाते हैं

शक्कर से पचास गुना ज्यादा मीठी मुलेठी...

गले में खराश हो या खांसी, मुलेठी चूसने से इसमें राहत मिलती है। इसके अलावा भी मुलेठी में कई ऐसे गुण हैं, जो शायद आप पहले नहीं जानते होंगे। जानिए मुलेठी आपको किस प्रकार लाभ पहुंचा सकती है। मुलेठी बहुत गुणकारी औषधि है। मुलेठी के प्रयोग करने से न सिर्फ आमाशय के विकार बल्कि गैस्ट्रिक अल्सर के लिए फायदेमंद है। इसका पौधा 1 से 6 फुट तक होता है। यह स्वाद में मीठी होती है इसलिए इसे यष्टिमधु भी कहा जाता है। असली मुलेठी अंदर से पीली, रेशेदार एवं हल्की गंधवाली होती है। सूखने पर इसका स्वाद अम्लीय हो जाता है।

मुलेठी की जड़ को उखाड़ने के बाद दो वर्ष तक उसमें औषधीय गुण विद्यमान रहते हैं। इसका औषधि के रूप में प्रयोग बहुत पहले से होता आया है। मुलेठी पेट के रोग, सांस संबंधी रोग, स्तन रोग, योनिगत रोगों को दूर करती है। ताजी मुलेठी में पचास प्रतिशत जल होता है, जो सुखाने पर मात्र दस प्रतिशत ही शेष रह जाता है। ग्लिसराइजिक एसिड के होने के कारण इसका स्वाद साधारण शक्कर से पचास गुना अधिक मीठा होता है। आइए हम आपको मुलेठी के गुणों के बारे में बताते हैं।

मुलेठी के गुण

मुलेठी को काली-मिर्च के साथ खाने से कफ ढीला होता है। सूखी खांसी आने पर मुलेठी खाने से फायदा होता है। इससे खांसी तथा गले की सूजन ठीक होती है। अगर मुंह सूख रहा हो तो मुलेठी बहुत फायदा करती है। इसमें पानी की मात्रा 50 प्रतिशत तक होती है। मुंह सूखने पर बार-बार इसे चूसें। इससे प्यास शांत होगी। गले में खराश के लिए भी मुलेठी का प्रयोग किया जाता है। मुलेठी अच्छे स्वर के लिए भी प्रयोग की जाती है। मुलेठी महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है। मुलेठी की जड़ पेट के घावों को समाप्त करती है, इससे पेट के घाव जल्दी भर जाते हैं। पेट के घाव होने पर मुलेठी की जड़ का चूर्ण इस्तेमाल करना चाहिए। मुलेठी पेट के अल्सर के लिए फायदेमंद है। इससे न केवल गैस्ट्रिक अल्सर वरन छोटी आंत के प्रारम्भिक भाग ड्यूओडनल अल्सर में भी पूरी तरह से फायदा करती है। जब मुलेठी का चूर्ण ड्यूओडनल अल्सर के अपच, हाइपर एसिडिटी आदि पर लाभदायक प्रभाव डालता है। साथ ही अल्सर के घावों को भी तेजी से भरता है। खून की उल्टियां होने पर दूध के साथ मुलेठी का चूर्ण लेने से फायदा होता है। खूनी उल्टी होने पर मधु के साथ भी इसे लिया जा सकता है। हिचकी होने पर मुलेठी के चूर्ण को शहद में मिलाकर नाक में टपकाने तथा पांच ग्राम चूर्ण को पानी के साथ खिला देने से लाभ होता है। मुलेठी आंतों की टीबी के लिए भी फायदेमंद है।

आखिर क्यों फड़कतीं है हमारी आंखें ?

कई बार अचानक हमारी आंख फड़कने लग जाती है। आंख फड़कने पर हमारे दिमाग में कई ख्याल आते है। आंख फड़कने को भारत में कई जगहों पर शुभ-अशुभ से जोड़कर कर भी देखा जाता है। कई बार तो आंख इतनी फड़कती है कि हम परेशान हो जाते है लेकिन क्या आप जानते है कि आंख क्यों फड़कती है? अगर नहीं तो हम आज आपको इसका कारण बताते है।

आंख फड़कना आम लक्षण होता है। इसमें आंखों के आस-पास की मांसपेशियां खुद संकुचित होती है, जिससे उलझन और परेशानी तो काफी होती है लेकिन कोई नुकसान नहीं होता। आंख फड़कने के कहीं कारण है आइए जानें इन कारणों के बारे में...

कैसे करें आंख फड़कना बंद

आंख फड़कना बंद करने के लिए हाइड्रेटेड बने रहें। ज्यादा से ज्यादा नींद लें। आंखों के फड़कने को रोकने के लिए आंखों की मसाज करें। पलकों को 30 सेकेण्ड्स तक झपकाएं। यदि आंखों का फड़कना एक सप्ताह से अधिक तक रहे तो आंखों के डाक्टर से मिलें।

आंख फड़कने के कारण

1. थकान और तनाव के कारण भी आंख फड़कती है। तनाव के कम करके आंख का फड़कना रोका जा सकता है। नींद न पूरी होने के कारण भी ऐसा हो सकता है।
2. शराब भी आंख फड़कने का कारण हो सकती है। अगर आप शराब का सेवन अधिक करते है तो आपको यह परेशानी हो सकती है।
3. कम रोशनी में काम करने या देर तक कम्प्यूटर पर काम करने आदि से भी ये परेशानी हो सकती है।

लौंग की चाय पीने के अद्भुत फायदे

चाय हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा है, जो कि दिन भी शुरुआत करने का एक जोरदार तरीका है। अगर आप वहीं ग्रीन टी या ब्लैक टी पी कर बोर हो चुके हैं, तो एक बार लौंग की चाय ट्राई कर के देखिए। लौंग तो हर घर के किचन में मौजूद होता है, तो अगर आपको अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स दूर करनी है तो लौंग की चाय पीना ना भूलें। लेनिक आइये जान लेते हैं कि इसे बनाया कैसे जाता है- 1 चम्मच लौंग को दरदरा पीस लें। फिर इस पावडर को 1 कप पानी में डाल कर 5-10 मिनट तक उबालें। जब यह उबलना शुरु हो जाए तब इसमें आधा चम्मच टी पावडर मिला कर कुछ मिनटों तक पकाएं। फिर पानी को छान कर हल्का ठंडा कर के पिएं। आप इसे स्टोर कर के रेफ्रिजिरेटर में भी रख सकते हैं। मसूड़ों और दांतों के दर्द से छुटकारा दिलाए अगर मसूड़ों और दांतों में दर्द हो तो गरम लौंग की चाय से कुल्ला करें। इससे मुंह में जमे बैक्टीरिया का खात्मा होगा और झट से आराम मिलेगा। साइनस इंफेक्शन दूर करे सीने में जकड़न या साइनस की समस्या में आप 1 कप गरम लौंग की चाय को सुबह पी सकते हैं। इससे कफ साफ होता है तथा शरीर गर्म होता है।

लौंग की चाय में मैगनीशियम और विटामिन ई और के होते हैं, जो कि जो कि बैक्टीरियल इंफेक्शन से राहत दिलाते हैं। इसको पीने से शरीर का तापमान कम होता है तथा इम्यूनिटी बढ़ती है। पाचन शक्ति मजबूत बने लंच या डिनर के पहले 1 कप लौंग की चाय पीने से शरीर में खून का फ्लो अच्छा होता है तथा मुंह में लार बनने लगती है जो कि खाने को हजम करने में सहायक होती है। यह एसिडिटी और पेट के दर्द से भी आराम दिलाता है। आंत के परजीवी मारता है लौंग की चाय में **anti-inflammatory** कम्पाउंड होता है, जो शरीर से परजीवी को हटाने का काम करता है। इससे पेट दर्द तथा डायरिया ठीक होता है। गठिया दर्द ठीक करता है अगर आपको गठिया से जुड़ा दर्द है तो आप आई कोल्ड लौंग की चाय से आराम मिल सकता है। लौंग काफी पावर फुल होती है इसलिए दर्द वाले स्थान पर लौंग की चाय के पानी से दिन में 2 या 3 बार 20 मिनट के लिए सिकाई कर सकते हैं। इससे जोड़ों का दर्द, सूजन और लिगामेंट इंजुरी में लाभ मिलेगा।

स्किन इंफेक्शन से राहत दिलाए यह आपको कई तरह की स्किन इंफेक्शन से राहत दिलाएगा। लौंग की चाय में ऐसा तेल पाया जाता है जो शरीर से टॉक्सिन निकालता है। अगर इसे किसी घाव पर ऊपर से लगाया जाए तो वह जल्दी ठीक हो जाता है। यह फंगल इंफेक्शन तथा दाद से भी छुटकारा दिलाता है।

खास देखभाल के साथ ही चाहिए संतुलित डाइट

बच्चों की डायबिटीज को कर सकते हैं मैनेज

गड़बड़ाती दिनचर्या और खान-पान की वजह से डायबिटीज यानि मधुमेह अब आम होता जा रहा है, लेकिन इस रोग ने अब अपनी गिरफ्त में बच्चों को भी लेना शुरू कर दिया है। ऐसे में बच्चों में मधुमेह का पता चलते ही पालकों को उनके स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना पड़ता है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं किस तरह से मधुमेह से ग्रस्त बच्चों का ख्याल रखें।

दर्द रहित और सुरक्षित भी...

बच्चों में डायबिटीज होने पर इंसुलिन पंप थैरेपी के जरिए उनका उपचार किया जा सकता है। ये थैरेपी दर्दरहित व सुरिक्षत है। इसे किसी भी उम्र के बच्चों को देने के लिए कहा जाता है क्योंकि इस उम्र में इंजेक्शन सही विकल्प नहीं है। इसी वजह से टाइम मैग्जीन ने इसे 2013 का सबसे बेहतरीन तकनीकी आविष्कार माना है। भारत में डायबिटीज के रोगियों में 5 फीसदी बच्चे भी शामिल हैं। पारंपरिक इंसुलिन इंजेक्शन लेने के मुकाबले ये थैरेपी ब्लड ग्लूकोज को नियंत्रित करने में मददगार होती है। यह उपकरण एक कम्प्यूटराइज्ड यंत्र है जो मोबाइल जैसा होता है और जिसमें फौरन इंसुलिन भरकर डाल दिया जाता है।

इंसुलिन से ज्यादा बेहतर...

बच्चे सुई चुभने के डर से कई बार इंजेक्शन नहीं लगवाते। इस समस्या का समाधान इंसुलिन पंप थैरेपी है। इस थैरेपी में मुख्य तौर पर इंसुलिन पंप इस्तेमाल होता है, जो एक छोटा उपकरण है। इसे बाहर से पहना जाता है या मोबाइल की तरह टांगा जा सकता है। ये रोगी के शरीर की जरूरत के अनुसार इंसुलिन की सटीक डोज देता रहता है। इंसुलिन के छोटे-छोटे लगातार डोज से रोगी का शरीर सामान्य तौर पर काम करता रहता है। इंसुलिन पंप थैरेपी ने हाइपोग्लेसिमिया यानि ब्लड शुगर में कमी को काफी हद तक कम किया है।

लिवर ट्रांसप्लांट कराने में अब नहीं ब्लड ग्रुप की चिंता

लीवर ट्रांसप्लांट करवाने के लिए अब एक समान ब्लड ग्रुप का डोनर होना जरुरी नहीं अगर आप भी लिवर के मरीज हैं अगर आपको भी अपने ब्लडग्रुप का डोनर नहीं मिल रहा है तो अब आप को घबराने की जरूरत नहीं, क्योंकि मेडिकल साइंस की इस सफलता से लिवर के मरीजों को फायदा होगा जो एक जैसा ब्लडग्रुप वाला डोनर न मिलने के कारण दम तोड़ देते थे।

अब 15 लाख रुपए का खर्च

पहले लिवर ट्रांसप्लांट के लिए लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब इस नई तकनीक से डोनर आसानी से मिल जाता है और अब डॉक्टर्स ने अलग-अलग ब्लड ग्रुप के डोनर से भी लिवर के मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट तकनीक का आविष्कार किया है। दिल्ली सरकार के लिवर एवं पित्त विज्ञान संस्थान में हाल ही में दो मरीजों को बेमेल डोनर से लिवर ट्रांसप्लांट किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आइएलबीएस में लिवर ट्रांसप्लांट करवाने के लिए पहले साढ़े ग्यारह लाख रुपए खर्च करने पड़ते थे, लेकिन इस नई तकनीक के आने के कारण अब साढ़े पंद्रह लाख रुपए खर्च आएगा।

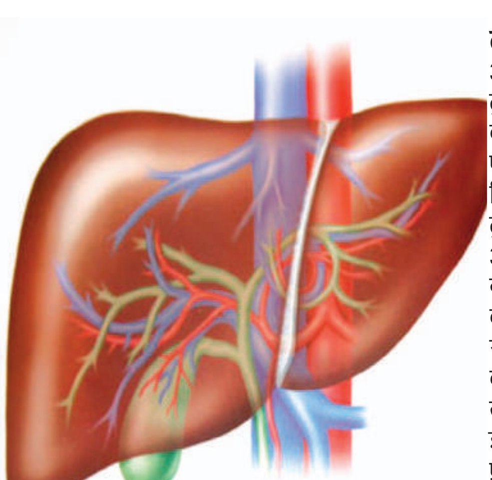

बेहतर होती है गुणवत्ता

आइएलबीएस के मुख्य लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. वी. पामेचा के अनुसार इस तकनीक से पहली बार लिवर ट्रांसप्लांट किया गया है और लिवर ट्रांसप्लांट करने से पहले मरीज और डोनर के रक्त में भिन्नता देखी जाती है और फिर मशीन की मदद से मरीज के रक्त को साफ किया जाता है और डोनर के रक्त की गुणवत्ता को एक तरह से बेहतर किया जाता है। इसके बाद मरीज को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होती।

रेसिपी

मल्टीग्रेन ढ़ेबरा

सामग्री

1 कप बारीक कटी हुई मेथी, 1 कप बाजरे का आटा, 1/4 कप ज्वार का आटा, 1 टेबल-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टेबल-स्पून दही, 1 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 1/2 टेबल-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 टी-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **तलने के लिएः** तेल , **परोसने के लिएः** ताज़ा दही

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 20 भागों में बांट लें। प्रत्येक भाग को अपनी हथेली के बीच रखकर, थपथपाते हुए 50 मिमी। (2) व्यास के गोल और 1 मोटे गोल आकार में बना लें। कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े ढ़ेबरे डालकर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। ताजे दही के साथ गरमा गरम परोसें।

चट-पटा पाव

सामग्री

6 लाड़ी पाव, 6 टी-स्पून मक्खन, **मसाला के लिएः** 2 टेबल-स्पून मक्खन, 3/4 कप बारीक कटा प्याज, 1/4 कप बारीक कटी शिमला मिर्च, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून काला नमक, 1/2 टी-स्पून गरम मसाला, **सजाने के लिएः** 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नींबू

विधि

मसाला के लिएः एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, प्याज और शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। लहसुन, टमाटर, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए 2 मिनट तक पका लें। काला नमक और गरम मसाला डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट तक पका लें। मसाले को 6 भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधीः** एक नॉन-स्टिक तवे में 1 टी-स्पून मक्खन गरम करें, तैयार मसाले के एक भाग को डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। एक पाव को 2 भाग में काटें और खोलकर तवे पर रखे मसाले पर रखें। मसाले को पाव में अच्छी तरह फैला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट या मसाले को पाव से चिपकने तक पका लें। विधी क्रमांक 1 से 3 को दोहराकर 5 और चटृपटा पाव बना लें। धनिया से सजाऐं और नींबू के साथ गरमा गरम परोसें।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

क्यों जरूरी है एफसीआरए

यदि एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमाक अधिनियम) संशोधन बिल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचारार्थ भेजा जाता है, तो इसके साफ मायने हैं कि यह बिल लटक गया है। बेशक जेपीसी में भाजपा-एनडीए सांसदों का बहुमत होगा और अध्यक्ष भी उन्हीं का होगा, लेकिन विमर्श, सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं, प्रभावित क्षेत्रों-संगठनों के तर्क और पक्ष-विपक्ष की टकरावपूर्ण राजनीति के मद्देनजर बिल पर सम्यक विचार करने में 4-6 महीने का वक्त लगना स्वाभाविक है। जेपीसी की रपट के बाद भी संसद में सहमति बन पाएगी और बिल सहजता से पारित होगा, इसके आसार नगण्य हैं। इस कानून में संशोधन करना और उसे सख्ती से लागू करना इसलिए बेहद जरूरी है, क्योंकि एफसीआरए के जरिए देश की सुरक्षा, संप्रभुता, लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिशें जारी रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ दुराग्रही अभियान, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समर्थक पत्रकारिता-लेखन और 'नवजात' कॉकरोच जनता पार्टी आदि को भी विदेशी पैसा मिलता रहा है। यह कोई छिपा हुआ रहस्य नहीं है, बेशक कोई कुछ भी स्पष्टीकरण देता रहे या दावे करे, लेकिन विदेशी फंडिंग मिलती रही है। अमरीका, ब्रिटेन के कौन से फाउंडेशन और संगठन भारत में देश-विरोधी हरकतों को पैसा दे रहे हैं, उनके ब्यौरे स्पष्ट हैं। भारतीय स्टेट बैंक और केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास तमाम रिकॉर्ड दर्ज हैं। अमरीकी फंडिंग भारत में उसके राजदूत सर्जियो गोर के जरिए भी मिलती रही है। एफसीआरए में स्पष्ट प्रावधान है कि राजनेता, चुनाव लडऩे वाले उम्मीदवार, जज-न्यायाधीश, सरकारी कर्मचारी और पत्रकार आदि विदेशी अंशदान नहीं ले सकते। इस प्रावधान का उल्लंघन किया जा रहा है और मीडिया में वेबसाइट, पोर्टल, प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अभियाननुमा लेखन वाली एक महिला पत्रकार और यहां तक कि 'कॉकरोचों' को भी विदेशी फंडिंग मिल रही है। गृह मंत्रालय ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनमें 15,491 डॉलर 'कॉकरोच' के नाम भी दर्ज हैं। पुणे में पूर्व न्यायाधीशों और न्यायविदों के एक ताकतवर एनजीओ को भी विदेशों से पैसा मिलता रहा है। इस सूची में राहुल गांधी समर्थक संगठन का नाम भी है। भारत में औसतन 18,500-22,963 करोड़ रुपए सालाना की विदेशी फंडिंग आती रही है। कुल 52,159 एनजीओ पंजीकृत किए गए थे। उनमें से अब 14,455 ही सक्रिय हैं। 22,498 एनजीओ के लाइसेंस रद्द कर दिए गए और 15,206 संस्थाओं के लाइसेंस 'डीम्ड एक्सपायर्ड' माने गए। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि पांच साल की अवधि पूरी होने के बाद लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया गया। अमरीका के संगठनों, सांसदों और ईसाई प्रतिनिधियों ने एफसीआरए संशोधन बिल का सबसे अधिक विरोध किया है। अमरीकी कांग्रेस (संसद) में यहां तक धमकी दी गई कि यदि यह संशोधन बिल भारतीय संसद में पारित किया जाता है, तो 'रणनीतिक साझेदारी' के संबंध प्रभावित होंगे। क्या अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ऐसा जोखिम उठा सकते हैं? भारत में भी कांग्रेस समेत लगभग सभी विपक्षी दलों ने बिल के विरोध के ऐलान किए हैं। उन्होंने बिल को 'अल्पसंख्यक-विरोधी' करार दिया। ईसाई समुदाय के प्रतिनिधि गृहमंत्री अमित शाह से मिले। उन्हें आश्वस्त किया गया कि बिल किसी के भी खिलाफ नहीं है। अलबत्ता विदेशी फंडिंग को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह, निश्चित काम के लिए अंशदान, देशहित तय करने की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, लिहाजा यह बिल जरूरी है। यह भी साफ किया गया कि विदेशी फंडिंग किसी भी तरह के 'धर्मान्तरण' के लिए नहीं होगी। भारत में मुसलमानों के मदरसों और संगठनों को अरब देशों और अन्य इस्लामिक देशों, संगठनों से खूब पैसा मिलता रहा है। एफसीआरए उसे सिर्फ कानूनी रूप देगा और नियंत्रित करेगा कि पैसा किसलिए बाहर से आया है? देश में सबसे अधिक एनजीओ 2104 तमिलनाडु में सक्रिय हैं। उनमें से कुछ ने कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना का जमकर विरोध किया था। महाराष्ट्र में 1583 एनजीओ सक्रिय हैं, लेकिन जिन एनजीओ, संस्थाओं के एफसीआरए लाइसेंस रद्द किए गए, उनमें बिहार सबसे ऊपर है।

> अमरीकी फंडिंग भारत में उसके राजदूत सर्जियो गोर के जरिए भी मिलती रही है। एफसीआरए में स्पष्ट प्रावधान है कि राजनेता, चुनाव लडऩे वाले उम्मीदवार, जज-न्यायाधीश, सरकारी कर्मचारी और पत्रकार आदि विदेशी अंशदान नहीं ले सकते। इस प्रावधान का उल्लंघन किया जा रहा है और मीडिया में वेबसाइट, पोर्टल, प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अभियाननुमा लेखन वाली एक महिला पत्रकार और यहां तक कि 'कॉकरोचों' को भी विदेशी फंडिंग मिल रही है। गृह मंत्रालय ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनमें 15,491 डॉलर 'कॉकरोच' के नाम भी दर्ज हैं। पुणे में पूर्व न्यायाधीशों और न्यायविदों के एक ताकतवर एनजीओ को भी विदेशों से पैसा मिलता रहा है। इस सूची में राहुल गांधी समर्थक संगठन का नाम भी है। भारत में औसतन 18,500-22,963 करोड़ रुपए सालाना की विदेशी फंडिंग आती रही है। कुल 52,159 एनजीओ पंजीकृत किए गए थे। उनमें से अब 14,455 ही सक्रिय हैं। 22,498 एनजीओ के लाइसेंस रद्द कर दिए गए और 15,206 संस्थाओं के लाइसेंस 'डीम्ड एक्सपायर्ड' माने गए।

म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली

असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया का नियमन जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

> काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं। सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गईं। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर

काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली। इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लेकिन यह उतना ही सच है कि इस माध्यम ने लोगों की नजर का पानी उतार दिया है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसके चरित्र पर आक्षेप लगाया जा सकता है। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उम्र चाहे जितनी भी बड़ी क्यों ना हो। सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं। भले ही अपने परिवारों में महिलाएँ और युवतियां सलीके से रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने और उसके जरिए कुछ कमाने के चक्कर में अपने शील और अपनी लज्जा को भी बेपर्दा कर रही हैं। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका अलगोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है। तीन साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने 19 विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सोशल मीडिया को लेकर एक शोध किया था। उसके मुताबिक, आम नागरिकों की नजर में सोशल मीडिया राजनीतिक जीवन के लिए रचनात्मक और विनाशकारी दोनों है। इस अध्ययन में शामिल देशों में, औसतन 57 प्रतिशत लोगों ने माना कि सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन इसे बिनाशकारी मानने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। करीब 35 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का का कहना था कि सोशल मीडिया विनाशकारी साबित हो रहा है। सिर्फ 34 प्रतिशत अमेरिकियों ने ही सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए लाभकारी माना, जबकि 64 फीसद का कहना था कि इसने नकारात्मक प्रभाव ज्यादा डाला है। हाल ही में जेन जी से चर्चा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उसमें उन्होंने कहा है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके कारण दस लाख लोग कोई गलत निर्णय लेते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी मेरी भी है। सोशल मीडिया पर सकारात्मक, उपयोगी और समाजहित की सामग्री साझा करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर केवल प्रामाणिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करना चाहिए। जेन-ज़ी में भी यह विवेक विकसित होना चाहिए कि क्या सही है और क्या नहीं। वरिष्ठ पीढ़ी की भी जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करे तथा उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाए। सोशल मीडिया का अनसोशल चेहरा और मंच आर्थिक कमाई का जरिया भी है। नंगई, हिंसा और व्यभिचार-अतिचार की कहानियां, दृश्य, वीडियो और फोटो को वायरल करने में उसका कोई सानी नहीं है। इस बहाने इसे प्रसारित करने वाले को सोशल मीडिया मंच आर्थिक कमाई भी कराते हैं। और तो और, वे खुद भी ऐसी घटनाओं, दृश्यों को प्रसारित-प्रचारित और वायरल करने के लिए बड़ी रकम लेते हैं। संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इन कोशिशों का मकसद भारत में व्यापक पैमाने पर लोगों को उत्तेजित करके अराजकता फैलाना था। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती भी दे रहे हैं।

देश दुनिया से

खाद्य मिलावट पर कानून का हो प्रहार

भोज्य सामग्री केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली शर्त है। जिस खाद्य सामग्री को हम अपने परिवार, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य का आधार मानकर खरीदते हैं, यदि वही मिलावटी, दूषित या अस्वच्छ निकले तो यह महज उपभोक्ता के साथ धोखा नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है। विडंबना यह है कि हमारे देश में खाद्य सुरक्षा के लिए कानून भी है, नियामक संस्थाएं भी हैं, निरीक्षण की व्यवस्था भी है और प्रयोगशालाएं भी, लेकिन फिर भी मिलावटखोरों के हौसले बुलंद हैं। लिहाजा खाद्य मिलावट पर अब ऐसा प्रहार जरूरी है, जिसकी चोट मिलावट करने वालों तक स्पष्ट रूप से पहुंचे। मिलावट की समस्या अब दूध में पानी या मसालों में कृत्रिम रंग मिलाने तक सीमित नहीं रही। दूध और दुग्ध उत्पाद, खाद्य तेल, मसाले, मिठाइयां, अनाज, दालें, शहद और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठते रहते हैं। गलत लेबलिंग, भ्रामक विज्ञापन, अनुचित भंडारण, दूषित पानी और अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थ तैयार करना भी खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2026 में जारी नई वैश्विक गणना इस खतरे की भयावहता को सामने रखती है। वर्ष 2021 में असुरक्षित भोजन के कारण दुनिया में लगभग 86.6 करोड़ लोग बीमार हुए और करीब 15.2 लाख लोगों की मृत्यु हुई। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चे इसके सबसे संवेदनशील वर्गों में हैं। असुरक्षित भोजन से 200 से अधिक बीमारियां जुड़ी हैं। इनमें सामान्य संक्रमण और दस्त से लेकर गंभीर तंत्रिका संबंधी समस्याएं, गुर्दे और यकृत की क्षति तथा कुछ परिस्थितियों में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां भी शामिल हैं। इससे वैश्विक उत्पादकता को लगभग 310 अरब अमरीकी डॉलर का नुकसान होने का अनुमान है। यानी खाद्य सुरक्षा केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था और मानव संसाधन से भी जुड़ा प्रश्न है। वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 1.70 लाख खाद्य नमूनों की जांच की गई और उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार करीब 17.6 प्रतिशत नमूने निर्धारित

मानकों पर खरे नहीं उतरे। दूध के नमूनों में भी गुणवत्ता संबंधी विफलताएं बड़ी संख्या में सामने आईं। भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 24.8 करोड़ टन दूध उत्पादन हुआ था और संसद में दी गई सरकारी जानकारी के अनुसार जांचे गए नमूनों में लगभग 37.3 प्रतिशत का अमानक या मिलावटी पाया जाना खाद्य सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने या मिलावट पाए जाने के कुल 185780 मामलों में से केवल 3.3 प्रतिशत मामलों में दोषसिद्धि हो सकी। लगभग 75 प्रतिशत मामलों यानी 139507 मामलों में केवल आर्थिक जुर्माना लगाकर कार्रवाई का निपटारा किया गया। भारत में खाद्य सुरक्षा की वर्तमान व्यवस्था का आधार खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 है। इस कानून ने पुराने खाद्य अपमिश्रण निवारण कानून सहित खाद्य संबंधी अनेक कानूनों को एकीकृत कर व्यापक नियामकीय ढांचा तैयार किया है। इस अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का गठन किया गया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई खाद्य पदार्थों के मानक निर्धारित करता है और राज्यों की खाद्य सुरक्षा मशीनरी निरीक्षण तथा प्रवर्तन का काम करती है। वर्तमान कानून में असुरक्षित भोजन के लिए गंभीर दंड का प्रावधान है। धारा 59 के अनुसार असुरक्षित खाद्य पदार्थ से किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर दोषी को कम से कम सात वर्ष के कारावास से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा और कम से कम दस लाख रुपए के जुर्माने का प्रावधान है। स्पष्ट है कि कानून कमजोर नहीं है, कमजोर कड़ी उसके क्रियान्वयन में दिखाई देती है। आज आवश्यकता है, नमूना लेने से लेकर प्रयोगशाला में जांच, रिपोर्ट प्राप्त करने, अभियोजन और दोषसिद्धि तक की प्रक्रिया को तेज करना होगा। आधुनिक प्रयोगशालाओं की संख्या और क्षमता बढ़ानी होगी। प्रशिक्षित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी दूर करनी होगी। जोखिम आधारित नमूना जांच को बढ़ावा देना होगा और बार-बार नियम तोडऩे वाले कारोबारियों पर विशेष निगरानी रखनी होगी। गंभीर मामलों में आर्थिक दंड के साथ आपराधिक कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। कार्रवाई ऐसी हो कि छोटे व्यापारी पर अनावश्यक दबाव न पड़े, लेकिन बड़े कारोबारी, प्रभावशाली संस्थान या बार-बार नियम तोडऩे वाला व्यक्ति कानून की पकड़ से बच भी न सके। हिमाचल प्रदेश में इसका महत्व और बढ़ जाता है। पर्यटन प्रधान राज्य होने के कारण यहां स्थानीय नागरिकों के साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटक भी होटल, रेस्तरां, ढाबों, मिठाई की दुकानों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर निर्भर रहते हैं। भोजन की गुणवत्ता प्रदेश की पर्यटन छवि से भी जुड़ी है। इसलिए पर्यटन सीजन में विशेष जांच अभियान, नियमित नमूना परीक्षण, मोबाइल खाद्य परीक्षण सुविधाएं और प्रयोगशाला क्षमता को मजबूत करना जरूरी है। सरकार और विभागों की जिम्मेदारी के साथ उपभोक्ता की सजगता भी जरूरी है। खाद्य पदार्थ खरीदते समय एफएसएसएआई लाइसेंस या पंजीकरण, निर्माण एवं समाप्ति तिथि, बैच नंबर, सामग्री की सूची और लेबल संबंधी जानकारी देखनी चाहिए।

आप का नज़रिया

अपने विस्तार पर सरकार

हिमाचल प्रदेश के मंत्रिमंडल में एक नया चेहरा-एक नया ख्वाब राजनीति को आशावान कर रहा है। इस बात के सौ फीसदी संकेत मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्वयं दिए हैं कि कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर का पद तय है। मंत्रिमंडल के विस्तार से कुल्लू का पटल अगर दिखाई दे रहा है, तो यह क्षेत्रीय संतुलन की हिफाजत का माकूल अवसर भी है। सुंदर ठाकुर को लेकर सदा पद और पदक की दरकार रही है, लेकिन काफी समय लगा इस फैसले के करीब आते-आते। कांग्रेस सरकार तेजी से अगले चुनाव की तैयारियों में सियासी व प्रशासनिक तैयारियां करने में जुट गई है। राजनीति में आक्रामकता के जिस दौर में भाजपा रही है, वहां आज कांग्रेस ने स्थान ग्रहण किया है। फील्ड से सचिवालय तक अपनी गूंज की उपस्थिति दर्ज करते हुए सत्ता पक्ष ने मिशन रिपीट के दारोमदार को निपुण किया है। बेशक हर सरकार की राजनीतिक लागत है, लेकिन यहां प्रश्नों की फेहरिस्त विपक्ष की तरफ मुखातिब है। आर्थिक संकट के बादलों के बीच आपदाओं की गोलबंदी ने अगर मजमून घायल किए तो कठघरे में केंद्र सरकार को लाने की हर कोशिश हिमाचल सरकार ने की। पंद्रह सौ करोड़ की घोषित राशि से दूर खड़ा हिमाचल पूछ रहा है, तो जवाब में भाजपाई अंदाज मजबूर हैं। विकास यात्रा पर मरहम और पट्टियों के बजाय आर्थिक आत्मसम्मान के मोर्चे पर पंजाब पुनर्गठन की फाइल और किशाऊ बांध तक किश्तियां दौड़ा कर हिमाचल ने अपनी जिरह बदली तो यह जुनून नई आर्थिक शर्तें खड़ी कर गया। फैसलों के पाले पड़ोसी राज्यों से केंद्र तक रहे, तो आर्थिक संकट से आत्मनिर्भरता के विकल्प निकाले जा रहे हैं। जाहिर है प्रदर्शन की नई संस्कृति विकसित करते मुख्यमंत्री ने राजनीति के उच्चारण बदले तो घाघ राजनीति के घाव पहली बार नजर आए। भाजपा बनाम कांग्रेस के आंदोलनकारी तेवर मुकाबिल हैं, तो कई पगडियां उछल रही हैं। मुद्दा सुधीर शर्मा की टिप्पणी से होता हुआ कानून की वकालत और अदालत तक पहुंच गया। यह रोचक-रोमांचक पहलू नहीं, लेकिन एफआईआर की तामील पर प्रदेश की राजनीति ने विपक्ष को जवाब और जुबान का अंतर समझा दिया है। यह दीगर है कि कांग्रेस के भीतर संगठन और सरकार के बीच अभी पुनगर्ठन के कुछ स्थान रिक्त हैं। सरकार के प्रदर्शन में विपक्ष के कई जवाब, जनापेक्षाओं के दबाव और विकास के कई हिसाब बाकी हैं, फिर भी पारंपरिक लकीरों से आगे सरकार ने सोच के दायरे बदले तो बात डेढ़ सौ सीबीएसई स्कूलों तक पहुंच गई। कांगड़ा की बड़ी पलकों के ठीक नीचे एयरपोर्ट विस्तार की चांदनी, टूरिज्म कैपिटल और कुछ परियोजनाएं निचले हिमाचल की अभिलाषा में चार चांद लगाने की कोशिश कर रही हैं, फिर भी हिसाब तो स्थानीय स्वशासन में चुनावी आंकड़ों का है और यहां भाजपा बहुमत साबित करने के लिए संघर्षरत है। सरकार के पास कई रथ हो सकते हैं। इस बार इलेक्ट्रिक बसों की खेप है जो कमोबेश हर विधानसभा क्षेत्र में सौगात बन कर दिखाई दे रही है। आगामी चुनाव की नीयत व रणनीति पर सरकार ने अपनी बिसात बिछानी शुरू की है तो चेहरों की शिनाख्त में सुंदर ठाकुर अव्वल निकल आए। उनके व्यक्तित्व के गणित सरकार में किस कद्र बैठते हैं, यह काफी हद तक उनके मंत्रिमंडलीय प्रभार से पता चलेगा, लेकिन कयास उनके पाले में पर्यटन, ऊर्जा, वन व बागबानी तक शिरकत कर सकते हैं। मंत्रिमंडल के सदस्यों के कार्यों का मूल्यांकन भी अगर हो जाए तो कुछ टोपियां बदल सकती हैं, कुछ सम्मान बढ़ा सकता है। अच्छी बात यह कि सरकार अपने कार्यों को तीव्र गति प्रदान करने के लिए कुछ नए पद और पदक तय कर रही है।

> सुंदर ठाकुर को लेकर सदा पद और पदक की दरकार रही है, लेकिन काफी समय लगा इस फैसले के करीब आते-आते। कांग्रेस सरकार तेजी से अगले चुनाव की तैयारियों में सियासी व प्रशासनिक तैयारियां करने में जुट गई है। राजनीति में आक्रामकता के जिस दौर में भाजपा रही है, वहां आज कांग्रेस ने स्थान ग्रहण किया है। फील्ड से सचिवालय तक अपनी गूंज की उपस्थिति दर्ज करते हुए सत्ता पक्ष ने मिशन रिपीट के दारोमदार को निपुण किया है। बेशक हर सरकार की राजनीतिक लागत है, लेकिन यहां प्रश्नों की फेहरिस्त विपक्ष की तरफ मुखातिब है। आर्थिक संकट के बादलों के बीच आपदाओं की गोलबंदी ने अगर मजमून घायल किए तो कठघरे में केंद्र सरकार को लाने की हर कोशिश हिमाचल सरकार ने की। पंद्रह सौ करोड़ की घोषित राशि से दूर खड़ा हिमाचल पूछ रहा है, तो जवाब में भाजपाई अंदाज मजबूर हैं। विकास यात्रा पर मरहम और पट्टियों के बजाय आर्थिक आत्मसम्मान के मोर्चे पर पंजाब पुनर्गठन की फाइल और किशाऊ बांध तक किश्तियां दौड़ा कर हिमाचल ने अपनी जिरह बदली तो यह जुनून नई आर्थिक शर्तें खड़ी कर गया। फैसलों के पाले पड़ोसी राज्यों से केंद्र तक रहे, तो आर्थिक संकट से आत्मनिर्भरता के विकल्प निकाले जा रहे हैं। जाहिर है प्रदर्शन की नई संस्कृति विकसित करते मुख्यमंत्री ने राजनीति के उच्चारण बदले तो घाघ राजनीति के घाव पहली बार नजर आए। भाजपा बनाम कांग्रेस के आंदोलनकारी तेवर मुकाबिल हैं, तो कई पगडियां उछल रही हैं। मुद्दा सुधीर शर्मा की टिप्पणी से होता हुआ कानून की वकालत और अदालत तक पहुंच गया।

कुछ अलग

शिव जी की नारद मुनि की कथा की सीखः

हमारे जीवन में कई लोग समय-समय पर हमें सलाह देते हैं। इनमें से कुछ लोग केवल अपनी राय रखते हैं, जबकि कुछ ऐसे भी होते हैं जो सचमुच हमारा भला चाहते हैं। ऐसी निःस्वार्थ सलाह को पहचानना और उसे सही समय पर स्वीकार करना बहुत जरूरी है। यह बात भगवान शिव और नारद मुनि की कथा से समझ सकते हैं... एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया। इस सफलता से नारद जी को अपने ऊपर गर्व होने लगा। वे लोगों को बताते फिर रहे थे कि उन्होंने कामदेव को हरा दिया है। धीरे-धीरे यह गर्व अहंकार में बदलने लगा। उत्साह में नारद मुनि कैलाश पर्वत पहुंचे और भगवान शिव को भी अपनी विजय के बारे में बताया। नारद जी ने कहा कि उन्होंने कामदेव को पराजित किया और इसके लिए उन्हें क्रोधित भी नहीं होना पड़ा। शिव जी समझ गए कि नारद मुनि के मन में अपनी सफलता को लेकर अहंकार पैदा हो गया है। उन्होंने नारद जी को समझाया कि कामदेव पर विजय प्राप्त करना अच्छी बात है, लेकिन इसका घमंड नहीं करना चाहिए। शिव जी ने यह भी कहा कि वे यह बात उनसे कह रहे हैं, लेकिन भगवान विष्णु से इसका उल्लेख न करें। नारद मुनि ने शिव जी की सलाह को गंभीरता से नहीं लिया। उन्हें लगा कि शायद शिव जी उनकी प्रशंसा से प्रसन्न नहीं हैं। वे भगवान विष्णु के पास पहुंचे और अपनी विजय का बखान करने लगे। विष्णु जी समझ गए कि नारद मुनि को अपनी उपलब्धि का अहंकार हो गया है। उन्होंने नारद जी का अहंकार दूर करने के लिए अपनी माया से एक सुंदर नगरी बनाई, जहां एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा था।

दृष्टि कोण

उन्नत बचपन की पहली शर्त- स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन

असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है। बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा।

यूईएफए सुपर कप : पीएसजी ने एस्टन विला को 2-1 से हराकर खिताब बरकरार रखा

साल्जबर्ग

चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एस्टन विला को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप का खिताब अपने नाम कर लिया। पीएसजी की जीत में ख्विचा क्वारात्सखेलिया और देसिरे डुए ने गोल किए, जबकि एस्टन विला की ओर से 17 वर्षीय ब्रायन मैडजो ने गोल दागा।

पीएसजी ने 12 महीने पहले टोटेनहम हाटस्पर को हराकर पहली बार सुपर कप जीता था। इस बार भी टीम ने प्रीमियर लीग की एक अन्य टीम को मात देकर यूरोप की शीर्ष क्लब टीम के रूप में अपना दबदबा कायम रखा।

दोनों टीमों ने अपने घरेलू सत्र की शुरुआत से पहले मजबूत प्लेइंग इलेवन उतारी। पीएसजी की शुरुआती टीम में चैंपियंस लीग फाइनल में खेलने वाले नौ खिलाड़ी शामिल थे।

मैच का पहला गोल 20वें मिनट में आया। क्वारात्सखेलिया ने बाएं छोर से अंदर की ओर आते हुए शानदार शाट लगाया, जिसे एस्टन विला के गोलकीपर मार्को बिजोट रोक नहीं सके। पीएसजी ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, एस्टन विला ने हार नहीं मानी। 17 वर्षीय मैडजो ने पहले हाफ के अंतिम मिनट में कप्तान जान मैकगिन के शानदार पास का फायदा उठाते हुए गेंद को पीएसजी के गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मुकाबला 1-1 की बराबरी पर आ गया।

दूसरे हाफ में पीएसजी ने आक्रामक शुरुआत की। 61वें मिनट में फ्रांस के देसिरे डुए ने दाएं छोर से आगे बढ़ते हुए शानदार फिनिश के साथ गेंद को विला के गोल में पहुंचा दिया।

हालांकि सहायक रेफरी ने शुरुआत में आफसाइड का संकेत दिया, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद गोल को मान्य कर दिया गया। समीक्षा में पाया गया कि एस्टन विला के डिफेंडर मैटी कैश ने डुए को आनसाइड रखा था।

इसके बाद एस्टन विला ने बराबरी की भरपूर कोशिश की। जार्ज हेमिंग्स और जान मैकगिन के पास अच्छे मौके आए, लेकिन पीएसजी के गोलकीपर माटवे सफोनोव ने शानदार बचाव करते हुए अपनी टीम की बढ़त बरकरार रखी।

मैच के अंतिम चरण में एस्टन विला लगातार हमले करता रहा। टैमी अब्राहम के पास भी बराबरी का बेहतरीन मौका आया, लेकिन वह गोल के सामने मिले पास को छूने से मामूली अंतर से चूक गए। पीएसजी ने आखिरी मिनटों में दबाव झेलते हुए 2-1 की बढ़त कायम रखी और लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप जीत लिया। अब पीएसजी की नजरें नए सत्र में लगातार तीसरी चैंपियंस लीग ट्राफी जीतने पर होंगी।

न्यूज ब्रीफ

30 की उम्र में इंग्लैंड के आलराउंडर लैंब ने खेल को अलविदा कहा

लंदन। इंग्लैंड के आलराउंडर डैनी लैंब ने केवल 30 साल की उम्र में ही खेल को अलविदा कह दिया है। इस सत्र की शुरुआत में ही लैंब की गर्दन में दर्द उठा था जिसके बाद जांच में पाया गया कि उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट आई है। पिछले महीने सर्जरी के बाद भी ये पाया गया कि इस गेंदबाज की चोट गंभीर है और उनके लिए खेल जारी रखना ठीम नहीं है। जिसके बाद लैंब ने संन्यास की घोषणा कर दी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लैंब ने इस कठिन फैसले को लेकर कहा, चोट के कारण करियर का समाप्त होना बहुत दुखद और कठिन फैसला है। डाक्टरों की सलाह के बाद मुझे पता है कि मेरी सेहत के लिए यह सही फैसला है। उन्होंने लंकाशायर और ससेक्स दोनों का ही आभार जताते हुए कहा कि अवसर देने के लिए मैं आभारी हूं। साथ ही कहा कि उन्होंने हमेशा टीम के लिए अपना सब कुछ दिया और जीत में सहायता करने के प्रयास किये। गौरतलब है कि लैंब ने साल 2023 में ससेक्स जाने से पहले लंकाशायर की ओर से सभी प्रारुपों में 93 मैच खेले थे। ससेक्स में उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप के डिवीजन वन में टीम के प्रमोशन और टी20 ब्लास्ट में फाइनल्स डे तक पहुँचने में भी अहम भूमिका निभाई थी। वहीं ससेक्स के मुख्य कोच और क्रिकेट डायरेक्टर पाल फारब्रेस ने लैंब के योगदान की सराहना करते हुए कहा, किसी भी खिलाड़ी के लिए उस खेल से रिटायर होना हमेशा दुखद होता है, और अगर ऐसा चोट की वजह से हो, तो यह और भी मुश्किल होता है।

सभी गोल्फरों को आईजीपीएल में खेलने की अनुमति दी जाये: जीव

नई दिल्ली। देश के शीर्ष गोल्फरों में शामिल जीव मिल्खा सिंह ने कपिल देव के नेतृत्व वाली इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) से अपील की है कि वह सभी गोल्फरों को इस नई लीग में भाग लेने का अवसर दे। जीव के अनुसार सभी खिलाड़ियों को अच्छी कमाई करने और अपने खेल को बेहतर बनाने का अवसर मिलना चाहिये। जीव ने से अपील इसलिए की है क्योंकि भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) ने आईजीपीएल में खेलने वाले गोल्फरों के अपनी प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर रोक लगा दी है जिससे गोल्फरों के सामने संशय बना हुआ है। जीव ने माना है हर टूर के अपने अलग नियम और खिलाड़ियों से की जाने वाली प्रतिबद्धताएं होती हैं पर उन्होंने कहा कि एक बार जब कोई खिलाड़ी अपने प्राथमिक टूर के प्रति अपनी सभी निर्धारित प्रतिबद्धताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लेता है, तो उसे अन्य रास्तों और व्यावसायिक अवसरों की तलाश करने से रोकना सही नहीं है।

शुभमन बन सकते हैं डब्ल्यूटीसी में 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय

गाल। भारतीय क्रिकेट टीम 15 अगस्त से मेजबान श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच के लिए मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की नजरें इस सीरीज में जीत हासिल करने पर रहेंगी। इसका कारण ये है कि ये सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा है। शुभमन के पास इस सीरीज में अधिक से अधिक रन बनाकर डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने का अवसर है। शुभमन ने अब तक डब्ल्यूटीसी में खेले 40 टेस्ट मैचों में 2843 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शानदार शतक और 8 अर्धशतक शामिल हैं। यदि वह श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टेस्ट मैच में 157 रन और बना देते हैं तो वह इसमें 3000 रन का आंकड़ा हासिल करने वाले एक विशेष क्लब का हिस्सा बन जाएंगे। इसके अलावा वह डब्ल्यूटीसी में 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय भी बन जाएंगे। अभी वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। डब्ल्यूटीसी में भारतीय बल्लेबाजों की बात करें तो शुभमन के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और दिग्गज रोहित शर्मा का नाम आता है। ऋषभ ने अपने 40 टेस्ट मैचों की 71 पारियों में 2780 रन बनाए हैं, जबकि रोहित शर्मा ने 40 मैचों में 2,716 रन का योगदान दिया है। इसमें सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकार्ड इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट के नाम है। रुट ने अब तक 77 मैचों में 6651 रन बनाये हैं। शुभमन इसके अलावा वह एक और अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर सकते हैं। वह डब्ल्यूटीसी के एक संस्करण में बतौर भारतीय कप्तान 1,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन सकते हैं। मौजूदा 2025-27 संस्करण में, गिल ने भारत के कप्तान के तौर पर 8 मैचों में अब तक 950 रन बनाए हैं।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 17 अगस्त से, आईओए ने दुनिया भर के खिलाड़ियों और प्रशंसकों का किया स्वागत

नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए दुनिया भर के बैडमिंटन खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों का स्वागत किया है।

विश्व के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को एक मंच पर लाने वाली यह चैंपियनशिप खेल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल है। इसके आयोजन के साथ भारत ने बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए खुद को एक भरोसेमंद और सक्षम देश के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

आईओए ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि चैंपियनशिप की सफल मेजबानी भारत सरकार के निरंतर सहयोग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के खेल तंत्र को मजबूत करने तथा भारत को वैश्विक खेल राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है। खेल बुनियादी ढांचे, खिलाड़ियों के विकास, उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में लगातार निवेश के माध्यम से भारत ने विश्व खेल मंच पर अपनी स्थिति मजबूत की है। भारत में इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी से न केवल देश की आयोजन क्षमता का प्रदर्शन होता है, बल्कि युवा पीढ़ी को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरणा मिलती है। साथ ही खिलाड़ियों और अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने का अवसर मिलता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत तैयार होती है।

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी.टी. उषा ने कहा, बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 भारत की खेल यात्रा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। हमें विश्व के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों का नई दिल्ली में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। भारत ने लगातार यह साबित किया है कि वह बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की उच्चतम मानकों के साथ मेजबानी करने में सक्षम है और यह चैंपियनशिप ओलंपिक आंदोलन तथा खेल के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। उन्होंने कहा, भारत में आयोजित होने वाला प्रत्येक बड़ा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन एक स्थायी विरासत तैयार करता है। यह हमारे खेल तंत्र को मजबूत करता है, युवाओं को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करता है और हमारे खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों तथा खेल प्रशासकों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लोगों से सीखने और उनके साथ जुड़ने के अमूल्य अवसर प्रदान करता है। हमें विश्वास है कि भारत आने वाला हर व्यक्ति यहां की गर्मजोशी, आतिथ्य, व्यावसायिकता और खेल के प्रति जुनून का अनुभव करेगा।

बैडमिंटन एसोसिएशन आफ इंडिया (बीएआई) ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ), भारत सरकार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों, अधिकारियों, मीडिया और दर्शकों के लिए विश्व स्तरीय प्रतियोगिता और बेहतर अनुभव सुनिश्चित करना है।

आईओए ने कहा कि वह भारत सरकार, राष्ट्रीय खेल महासंघों, राज्य ओलंपिक संघों और अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों के साथ मिलकर भारत में और अधिक विश्व स्तरीय खेल आयोजनों को लाने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजन खिलाड़ियों, तकनीकी अधिकारियों, प्रशासकों, स्वयंसेवकों और खेल प्रतिभाओं की अगली पीढ़ी के लिए नए अवसर पैदा करते हैं।

पी.वी. सिंधु करेंगी भारतीय चुनौती की अगुआई

घरेलू दर्शकों के सामने भारतीय दल से भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी.वी. सिंधु भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। मेजबान देश को उम्मीद है कि सिंधू सहित भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों और दर्शकों के समर्थन का लाभ उठाकर शानदार प्रदर्शन करेंगे।

आईओए ने कहा कि चैंपियनशिप भारतीय खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों, आयोजन प्रबंधकों और स्वयंसेवकों को दुनिया के शीर्ष स्तर की प्रतियोगिता का अमूल्य अनुभव प्रदान करेगी। इससे भारत में भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के आयोजन के लिए आवश्यक विशेषज्ञता और अनुभव को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

चैंपियनशिप भारत की वैश्विक खेल आयोजनों की मेजबानी की क्षमता को भी मजबूती प्रदान करेगी। आईओए ने दोहराया कि वह अपने साझेदारों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि खेल उत्कृष्टता को प्रेरित करने, अंतरराष्ट्रीय मित्रता को बढ़ावा देने और भारत को दुनिया के प्रमुख खेल राष्ट्रों में शामिल करने के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे।

अब बिना किसी ठोस लक्ष्य के टी20 सीरीज आयोजित करने पर रोक लगेगी : आईसीसी

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी संजोग गुप्ता ने कहा है अब ऐसी सभी द्विपक्षीय सीरीज बंद कर दी जाएंगी जिनका कोई लक्ष्य नहीं है। गुप्ता के अनुसार ऐसी सभी टी20 सीरीज का अब कोई भविष्य नहीं है और वे जल्द ही समाप्त कर दी जाएंगी। उनका ये बयान एक ऐसे समय में आया है जब क्रिकेट जगत खिलाड़ियों की चोटों से परेशान और है और ऐसे में खेल के तीनों प्रारूपों की प्रासंगिकता पर सवाल उठ रहे हैं। गत वर्ष जुलाई में आईसीसी सीईओ बनने के बाद से ही गुप्ता ने कई बदलाव किये हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में तेजी से फैलती विभिन्न टी20 लीगों के बीच ही टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

इसी को लेकर उन्होंने कहा कि बिना किसी बड़े लक्ष्य या प्रासंगिक कारणों से आयोजित होने वाली द्विपक्षीय टी20 सीरीज खेलने से कोई लाभ नहीं है। इनके कार्यक्रम सदस्य देशों के क्रिकेट बोर्ड स्वयं तय करते हैं। गुप्ता के अनुसार, ऐसी सीरीज का अब कोई मतलब नहीं रह गया है। इससे इन्हें जारी नहीं रखा जा सकता।

गुप्ता का मानना है कि एकदिवसीय क्रिकेट को केवल अपन अस्तित्व बनाए रखने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे मजबूती से आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिये।

उन्होंने कहा कि इस प्रारूप की

टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप को प्रासंगिक बनाना जरुरी

अपनी एक स्पष्ट भूमिका जरुरी है जो विशेष रूप से आईसीसी क्रिकेट विश्व कप जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों से जुड़ी रहेगी।

गौरतलब है कि आईसीसी में विश्व कप से पहले एकदिवसीय क्रिकेट के लिए एक अलग और समर्पित विंडो तैयार करने पर भी बात चल रही है जिससे इस प्रारूप को पर्याप्त महत्व मिल सके और खिलाड़ी किसी अन्य सीरीज हो छोड़े बिना आसान से इसमें भाग ले सकें।

टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर भी उन्होंने अपनी चिंताएं जाहिर कीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, केवल भारत, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया जैसे बड़े क्रिकेट बोर्ड ही टेस्ट क्रिकेट का भार उठा पा रहे हैं।

वहीं अन्य सदस्य देशों के लिए इसे आर्थिक रूप से फायदे का प्रारुप बनाना एक बड़ी चुनौती है, जिससे इस प्रारूप की वैश्विक पहुँच सीमित हो रही है। साथ ही कहा कि टी20 लीगों की बढ़ती लोकप्रियता से निश्चित रूप से एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट दोनों का आकर्षण कम हुआ है और प्रशंसकों और खिलाड़ियों दोनों का ध्यान छोटे प्रारूपों की ओर गया है।

हाकी विश्व कप 2026 में बदले प्रारुप के कारण बढ़ेगा रोमांच

ब्रूसेल्स। 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स की संयुक्त मेजबानी में होने वाले पुरुष और महिला विश्व कप में इस बार प्रारुप में बदलाव किया गया है। इसके तहत अब पारंपरिक क्वार्टर फाइनल मुकाबले नहीं होंगे। यह एक बड़ा बदलाव है जो टीमों को शुरुआती चरण से ही अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म में रहने पर मजबूर करेगा, क्योंकि अब हर मैच के परिणाम का प्रभाव सीधे सेमीफाइनल की राह तय करेगा। इससे हर मुकाबले का महत्व पहले से बढ़ गया है। अब नए प्रारुप के तहत, पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 16-16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के चार पूल में बांटा गया है। शुरुआती चरण में, हर टीम अपने पूल की बाकी तीन टीमों से खेलेगी। इसके बाद, पूल ए और डी की शीर्ष दो-दो टीमें मिलकर पूल ई बनाएंगी, जबकि पूल बी और सी की शीर्ष दो टीमें पूल एल में जगह बनाएंगी। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि पहले चरण में एक ही मूल पूल से आगे बढ़ने वाली दो टीमों के बीच हुए मुकाबले का परिणाम और अंक दूसरे चरण की अंक तालिका में सीधे आगे ले जाए जाएंगे।

सिंकफील्ड कप : प्रज्ञानानंद को कीमर ने दी मात तीसरे दौर के बाद चौथे स्थान पर खिसकेलो

सेंटलु

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद की सिंकफील्ड कप 2026 में अजेय शुरुआत तीसरे दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार के साथ समाप्त हो गई। काले मोहरों से खेल रहे 21 वर्षीय प्रज्ञानानंद को रोमानिया के सुपर चेस क्लासिक के चैंपियन कीमर ने शिकस्त दी।

इस हार के बाद प्रज्ञानानंद 1.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके साथ अमेरिका के फैबियानो करूआना, जर्मनी के विंसेंट कीमर और अमेरिका के सैम सेवियन भी संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

अमेरिका के वेस्ली सो ने हमवतन फैबियानो करूआना को हराकर प्रतियोगिता में एकमात्र बढ़त हासिल कर ली है। सो के खाते में 2.5 अंक हैं।

फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने क्रमश: जावोखिर सिंदारोव और जार्डन वान फोरेस्ट के खिलाफ मुकाबले ड्रा खेले। दोनों खिलाड़ी तीन दौर के बाद दो-दो अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

कैर्न्स कप में दिव्या तीसरे स्थान पर

उधर, कैर्न्स कप में भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्विट्जरलैंड की ग्रैंडमास्टर एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया।

दिव्या की इस जीत के साथ उनके खाते में दो अंक हो गए हैं। वहीं, कोस्टेनियुक को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा और वह अंक तालिका में पिछड़ गई हैं।

चीन की तान झोंगयी और अमेरिका की एलिस ली 2.5-2.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। दिव्या अब संयुक्त शीर्ष स्थान से सिर्फ आधा अंक पीछे हैं।

हम हमेशा सकारात्मक रहते हैं और जानते हैं कि वापसी कैसे करनी है : आयुष बडोनी

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। टीम के कप्तान आयुष बडोनी ने जीत के बाद टीम के सकारात्मक रवैये और मजबूत वापसी की क्षमता की जमकर तारीफ की।

बडोनी ने मैच के बाद कहा, यह हमारे लिए बहुत अच्छी जीत है। हम पहले दो मैच हार गए थे, लेकिन टीम का माहौल पूरे समय सकारात्मक रहा। हमारी टीम की सबसे अच्छी बात यही है कि हम हमेशा सकारात्मक रहते हैं और जानते हैं कि वापसी कैसे करनी है। आज हमने वही करके दिखाया।

उन्होंने जीत की नींव रखने वाली सलामी साझेदारी की भी सराहना की। बडोनी ने कहा, सलामी जोड़ी ने शानदार मंच तैयार किया। सनत और अनमोल दोनों ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की और उनसे जो उम्मीद थी, उस पर खरे उतरे।

बडोनी ने आते ही बदला मैच का रुख

बडोनी ने अपनी आक्रामक पारी के बारे में कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी और टीम के पास लंबी बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए उन्होंने रन गति बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, जब मैं बल्लेबाजी के लिए आया तो मुझे महसूस हुआ कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। हमारे पास लंबी बल्लेबाजी क्रम है, इसलिए मैंने रन गति बढ़ाने के बारे में सोचा। बडोनी ने अपनी पारी के दौरान लगातार तीन छक्के लगाकर मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में कर दिया। साउथ दिल्ली के तेज गेंदबाज अंशुमान हुड्डा की तारीफ करते हुए

बडोनी ने कहा, अंशुमान हमारे लिए बेहद आक्रामक गेंदबाज रहे हैं। वह महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट लेते हैं और मैं खुश हूं कि वह हमारी टीम का हिस्सा हैं। मेरा मानना है कि उनके पास पर्पल कैप जीतने का शानदार मौका है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

हुड्डा के चार विकेट, ईस्ट दिल्ली ने बनाए 191 रन

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 20 ओवर में छह विकेट पर 191 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज वंश मेहरा ने 16 गेंदों पर 27 रन बनाए, जबकि अर्पित राणा के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। हालांकि, मध्यक्रम में लगातार विकेट गिरने से राइडर्स का स्कोर 102 रन पर चार विकेट हो गया। इसके बाद सुजल सिंह ने नाबाद 63 रन की पारी खेलकर टीम को संभाला। उन्होंने 39 गेंदों का सामना किया। सुजल ने सूर्यांश रैना के साथ पांचवें विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की और टीम को 190 रन के करीब पहुंचाया। साउथ दिल्ली की ओर से अंशुमान हुड्डा ने चार ओवर में 34 रन देकर चार विकेट लिए थे।

सनत-अनमोल ने रखी जीत की मजबूत नींव

192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार शुरुआत की थी। सनत संगवान और अनमोल शर्मा ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 11 ओवर में 113 रन की साझेदारी की। सनत ने 33 गेंदों पर 57 रन बनाए। सनत के आउट होने के बाद कप्तान बडोनी ने मोर्चा संभाला और आते ही आक्रामक रुख अपनाया। बडोनी और अनमोल ने मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। साउथ दिल्ली ने तीन ओवर से अधिक शेष रहते नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

एनसीसी कैडेट्स ने निकाली हर घर तिरंगा साइकिल रैली

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे राष्ट्रीय अभियान के तहत मलकपेट स्थित 'मेस्को ग्रेड्स हाई स्कूल' के एनसीसी विंग द्वारा 'हर घर तिरंगा' साइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह साइकिल रैली स्कूल परिसर के आसपास लगभग 4 से 5 किलोमीटर के क्षेत्र में निकाली गई। रैली में एनसीसी कैडेट्स और स्कूली विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। हाथों में तिरंगा थामे और 'हर घर तिरंगा' जैसे देशभक्ति के गगनभेदी नारे लगाते हुए छात्रों ने स्थानीय नागरिकों में जागरूकता का संदेश फैलाया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम जनता को राष्ट्रध्वज के महत्व, देशभक्ति, राष्ट्रीय अखंडता और राष्ट्र के प्रति प्रत्येक नागरिक के कर्तव्यों के बारे में जागरूक करना था। छात्रों के इस देशभक्तिपूर्ण उत्साह ने समाज में देश के प्रति गर्व और सम्मान का एक मजबूत संदेश दिया।

रैली में लगभग 92 एनसीसी कैडेट्स और कुल 130 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य (प्रिंसिपल), एनसीसी अधिकारी, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी और स्कूल समुदाय के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे और उन्होंने पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्रों का उत्साहवर्धन किया।रैली का समापन एकता, अनुशासन, देशभक्ति और तिरंगे के प्रति सम्मान के मूल्यों को बनाए रखने के संकल्प के साथ सफलतापूर्वक हुआ।

डब्ल्यूएचसीसी वर्ल्ड हुमन कंज्यूमर चिल्ड्रन राइट्स एंड सर्विसेज ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस पखवाड़े के उपलक्ष्य में कुकटपल्ली के प्रगति नगर स्थित अमर शहीद भगत सिंह एवं स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की प्रतिमाओं को स्वच्छ भारत अभियान के तहत प्रतीकात्मक रूप से जलाभिषेक कर स्वच्छ किया गया।कार्यक्रम का आयोजन संगठन की अध्यक्ष डॉ. लक्ष्या नायडू एवं संगठन के वैश्विक अध्यक्ष श्री नरेला मलयाद्री के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाज के गणमान्य एवं विशिष्ट व्यक्तियों ने भारत की स्वतंत्रता, एकता और स्वच्छता के प्रति तन, मन एवं धन से योगदान देने का संकल्प लिया।

भागवत कथा के श्रवण के साथ संस्कारों को जीवन में उतारना ही सच्ची साधना : अनुराग कृष्ण शास्त्री

बच्चों को सनातन संस्कारों और संस्कृति से जोड़ना समय की आवश्यकता

रामेश्वरम, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद निवासी प्रेमलता अग्रवाल पटवारी परिवार की ओर से रामेश्वरम धाम स्थित होटल स्टार प्लेस लैंडमार्क में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कथा के प्रथम दिवस वैदिक पथिक एवं भागवत किंकर अनुराग कृष्ण शास्त्री के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने श्रीमद्भागवत कथा का रसपान किया। कथा व्यासपीठ से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए अनुराग कृष्ण शास्त्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण मात्र से मनुष्य के अनेक पापों का नाश होता है और जीवन को नई दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज में सनातन मूल्यों के प्रति जिस प्रकार की चुनौतियां दिखाई दे रही हैं, वह चिंताजनक है। ऐसे समय में सनातन संस्कारों एवं संस्कृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना प्रत्येक माता-पिता और समाज की प्राथमिकता होनी चाहिए।उन्होंने माता-पिता से आह्वान किया कि वे जहां तक संभव हो, बच्चों को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से दूर रखें। उन्होंने कहा कि मोबाइल का अनियंत्रित उपयोग बच्चों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के बजाय नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है।शास्त्री ने कहा कि आज पति-पत्नी के बीच बढ़ता तनाव और बच्चों द्वारा माता-पिता के साथ दुर्व्यवहार जैसी घटनाएं कहीं न कहीं संस्कारों की कमी का परिणाम हैं। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। इस पवित्र भूमि पर श्रवण कुमार जैसे पुत्र हुए हैं, जिन्होंने अपने माता-पिता की सेवा को ही अपना धर्म माना।उन्होंने कहा कि केवल भाव होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि भाव के साथ कर्तव्यबोध और कर्तव्यपालन का होना भी आवश्यक है। कथा में प्रेमलता अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश तुलस्यान, राम अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, लक्ष्मी गुप्ता, सरिता अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, आरती अग्रवाल, मनन अग्रवाल, राखी गुप्ता, नकुल गुप्ता, संगीता टिंबरेवाला, मृदुल बंसल, मनीष बंसल, उर्मिला अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, केशव अग्रवाल एवं माया देवी अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सेवा के संकल्प को पूरी निष्ठा से निभा रहा राधे-राधे ग्रुप : अनिल अग्रवाल

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल धारसुवाले अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने सेवा का जो संकल्प ईमानदारी और समर्पण के साथ लिया है, उसका निरंतर पालन किया जा रहा है। सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि सेवा केवल दायित्व नहीं, बल्कि संस्कार और संवेदनशीलता की पहचान है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य निरंतर सेवा कार्यों से समाज में सहयोग, समर्पण और परोपकार की भावना को मजबूत कर रहे हैं। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरसुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, रेनू शर्मा, अर्चना शास्त्री सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

मुस्लिम जंग पुल स्थित सिटी कॉलेज के सामने द्वारका प्रसाद हरिचरण द्विवेदी के निवास स्थल पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ, अखंड ज्योति एवं रुद्राभिषेक पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, विशोक तिवारी, विवेक द्विवेदी, अरुण तिवारी, प्रियांशु तिवारी, दिलीप पाण्डेय, देवेन्द्र शुक्ला सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ओसवाल वंश स्थापना दिवस श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया गया

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। किशनबाग-अत्तापुर स्थित श्री सच्चियाय (ओसिया) माता मंदिर में 2483वां ओसवाल वंश स्थापना दिवस श्रद्धा, भक्ति एवं सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया।

आज यहां श्री सच्चियाय संघ हैदराबाद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में संघ के डॉ. अरविंद नाहटा ने बताया कि श्री सच्चियाय संघ हैदराबाद एवं अखिल भारतीय ओसवाल स्थापना दिवस समिति के तत्वावधान में श्रावण कृष्ण चतुर्दशी, मंगलवार, 11 अगस्त 2026 को ओसवाल वंश स्थापना दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर दुलीचंद नाहटा, विपिन नाहटा, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, कमल गोलेच्छा, उत्तम कटारिया, मंजुला मुणोत सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने मां सच्चियाय के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस महत्वपूर्ण पर्व पर श्री सच्चियाय माता मंदिर की ओर से दुलीचंद नाहटा एवं विपिन नाहटा तथा अखिल भारतीय ओसवाल स्थापना दिवस समिति की ओर से प्रेमचंद मुणोत जैन एवं रिद्धीश जागीरदार ने ओसवाल समाज के सभी बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रेमचंद मुणोत जैन ने कहा कि ओसवाल समाज की मान्यता के अनुसार आज ही के दिन ओसवाल वंश की स्थापना हुई थी। इसी कारण प्रत्येक वर्ष श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को यह दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि ओसवाल समाज की कुलदेवी मां सच्चियाय के आशीर्वाद से समाज निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि ओसवाल वंश की परंपराएं, संस्कार एवं धार्मिक आस्था आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने समाजबंधुओं से एकता, सेवा एवं धर्म के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाला परिवार द्वारा अन्नप्रसाद कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंग दास आत्माराम, बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा गोल्डन टेंपल, बंजारा हिल्स में अगस्त माह की अमावस के अवसर पर करीब 400 स्थानीय निवासियों में अन्न प्रसाद वितरित किया गया । एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 37 माह से गोल्डन टेम्पल में प्रसाद वितरित किया जा रहा है । आज के प्रसाद में चावल, सब्जी, सांभर, चटनी, बटरमिल्क, कैडबरी की चक्की उपलब्ध था । सर्व प्रथम हरे कृष्ण के मंत्र द्वारा अन्नप्रसाद की प्रार्थना की गई तत्पश्चात् अन्नप्रसाद वितरित किया गया । अवसर पर परिवार के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, आकांशु, श्रीमती संतोष अग्रवाल, ललिता अग्रवाल आदि द्वारा सेवा प्रदान की गई ।

हिलेस की 618वीं मासिक काव्य-संध्या आयोजित

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 618वीं मासिक साहित्यिक गोष्ठी अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुई। कार्यक्रम में आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी के व्यक्तित्व एवं साहित्यिक योगदान पर विशेष परिचर्चा हुई। वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने काव्य-संध्या में देश-समाज, मानवीय संवेदनाओं और समसामयिक विषयों पर प्रभावशाली कविताएँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसबीआई, हैदराबाद के सहायक महाप्रबंधक विनय कुमार सिंह ने की। हिंदी लेखक संघ के संयोजक गोविंद अक्षय ने साहित्यिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। कवि चंपालाल बैद ने युवा कवियों की सक्रियता की प्रशंसा की। साहित्य प्रेमियों ने इस आयोजन को सफल और सार्थक बताया।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सेवा परमो धर्मः संस्था ने बांटी राहत सामग्री

50 बच्चों ने लिया कार्यक्रम में हिस्सा, परिसर में गूंजा 'वंदे मातरम्'

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा परमो धर्मः संस्था, सिकंदराबाद शाखा द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के 50 बच्चों ने हिस्सा लिया। संस्था के सदस्यों एवं बच्चों ने मिलकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और 'वंदे मातरम्' तथा देशभक्ति गीतों का गायन कर स्वतंत्रता दिवस की खुशियां मनाईं। इस दौरान पूरा स्कूल परिसर देशभक्ति के रंगों में सराबोर हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज भेंट किए गए तथा 25 बच्चों को रेनकोट प्रदान किए गए। इसके साथ ही बच्चों को स्वच्छता सामग्री के पैकेट भी वितरित किए गए, जिनमें साबुन, टूथब्रश, जीभ साफ करने का उपकरण तथा अन्य आवश्यक सामग्री शामिल थी।

संस्था द्वारा वितरित की गई सामग्री एवं उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और चारों ओर उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में देशभक्ति के साथ-साथ स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

इस आयोजन में संस्था की सिकंदराबाद शाखा के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संस्था के वरिष्ठ सदस्यों ने इस प्रेरणादायक एवं सेवा कार्य की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के समस्त कर्मचारियों ने संस्था के सदस्यों का धन्यवाद व्यक्त किया।

संस्था की सदस्य वंदना दुगड़ एवं प्रीति सोनी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों तथा स्कूल परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सेवा एवं समाजहित के ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे।

कार्यक्रम ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति, सेवा, स्वच्छता और सामाजिक सहयोग का प्रेरणादायक संदेश दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चमोली में...

ऋषिगंगा नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में हिमस्खलन के बाद पानी और मलबे का सैलाब आया, जिससे ऋषिगंगा और धौलीगंगा नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। इस आपदा ने एनटीपीसी की निर्माणाधीन 520 मेगावाट तपोवन-विष्णुगाड़ जलविद्युत परियोजना को भी बुरी तरह प्रभावित किया था।

सुखबीर बादल...

हालांकि, सुखबीर सिंह बादल पर हमला करने के पीछे वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

पुलिस अधीक्षक के अनुसार आरोपी से लगातार पूछताछ की जा रही है और उसके पूरे पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। अब तक उसके किसी आपराधिक गिरोह से जुड़े होने अथवा किसी आपराधिक रिकॉर्ड की पुष्टि नहीं हुई है।

महाराष्ट्र पुलिस के साथ आतंकवाद निरोधक दस्ता भी मामले की जांच कर रहा है। जांच दल की एक टीम आरोपी जसपाल सिंह के पुणे स्थित घर भी पहुंची और उसके पारिवारिक एवं अन्य संबंधों की जानकारी जुटाई।अधिकारियों के अनुसार आरोपी की पत्नी और एक विवाहित बेटी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हमले के पीछे कोई व्यक्तिगत, धार्मिक अथवा अन्य कारण तो नहीं था।

पुलिस के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 1 बजकर 45 मिनट पर नांदेड़ शहर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित गुरुद्वारा माता साहिब देवन जी में सुखबीर सिंह बादल पर अचानक कृपाण से हमला किया गया।

घटना के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। उनके दाहिने हाथ में चोट आई, जिस पर दो से तीन टांके लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार उनकी हालत स्थिर है।घटना के प्रत्यक्षदर्शी एवं तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा के पूर्व सचिव रविंदर सिंह बुंगई ने बताया कि सुखबीर बादल सीढ़ियों से नीचे उतरकर उस स्थान पर पहुंचे थे, जहां श्रद्धालु अपने पैर धोते हैं। इसी दौरान अचानक उन पर हमला कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हमला इतनी तेजी से हुआ कि वहां मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही वार हो चुका था। घटना के बाद आरोपी ने कथित रूप से आत्मसमर्पण करने की बात कही।

तो मैं ...

पूंजीपतियों के हितों के लिए काम करने का माध्यम बन गया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और प्रधानमंत्री मोदी दोनों ही उद्योगपतियों एवं कॉरपोरेट हितों के लिए कार्य कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी विचारधारा किसी को अपनी बात रखने से रोकने की नहीं है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि छात्र अपनी बात रखना चाहते थे और अपनी पीड़ा व्यक्त करना चाहते थे, लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोका गया। राहुल गांधी ने कहा कि भारत को अभिव्यक्ति के माध्यम से नहीं रोका जा सकता और देश के लोगों को अपनी बात रखने का अधिकार है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार को अब यह समझ में आ गया है कि देश को अभिव्यक्ति के माध्यम से दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि आज के भारत को समझने की आवश्यकता है और यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी हमला हुआ तो वह उसकी रक्षा के लिए खड़े होंगे।

मोदी और शाह पर भी साधा निशाना

रचनात्मक कांग्रेस सम्मेलन में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी तीखे शब्दों में हमला बोला। उन्होंने कहा कि उनका काम बहुत सरल है और विपक्ष सरकार को लगातार सवालों के घेरे में रखेगा।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की विदेश नीति और पत्रकारों के साथ संवाद को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने मंच पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित को गले लगाकर अपने वक्तव्य को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया।उन्होंने कहा कि देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक अधिकारों और जनता की आवाज को मजबूत करना आवश्यक है तथा किसी भी व्यक्ति या संगठन को अपनी बात रखने के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

पहले पाकिस्तान...

आवश्यकता नहीं पड़ सकती, जबकि पाकिस्तान अपनी पारंपरिक सैन्य कमजोरी की भरपाई के लिए परमाणु क्षमता को महत्वपूर्ण निवारक शक्ति के रूप में देखता है।उन्होंने कहा कि यदि कभी पारंपरिक सैन्य संघर्ष ऐसे स्तर पर पहुंच जाए, जहां पाकिस्तान के नेतृत्व को देश के अस्तित्व पर खतरा महसूस हो, तो परमाणु विकल्प पर विचार किए जाने का जोखिम बढ़ सकता है।

भारत और पाकिस्तान की परमाणु नीतियों में अंतर

भारत ने लंबे समय से पहले परमाणु हथियारों का इस्तेमाल न करने की घोषित नीति अपनाई है, हालांकि इस नीति को लेकर समय-समय पर बहस होती रही है। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने ऐसी कोई स्पष्ट नीति नहीं अपनाई है और परमाणु हथियारों के संभावित पहले इस्तेमाल के विकल्प को खुला रखा है।

स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान के आंकड़ों के अनुसार भारत और पाकिस्तान दोनों के पास महत्वपूर्ण परमाणु हथियार भंडार मौजूद हैं। हालांकि परमाणु हथियारों की वास्तविक संख्या, उनकी तैनाती और परिचालन स्थिति को लेकर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय आकलनों में अंतर पाया जाता है।

अतीत में भी सामने आ चुके हैं परमाणु विकल्प संबंधी बयान

भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण परिस्थितियों के दौरान अतीत में पाकिस्तान के कई राजनीतिक और सैन्य नेताओं द्वारा परमाणु हथियारों के संभावित इस्तेमाल को लेकर बयान दिए जाते रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने देश के अस्तित्व पर खतरा होने की स्थिति में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना का उल्लेख किया था। वर्ष 2019 में पुलवामा आतंकी हमले और बालाकोट कार्रवाई के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने परमाणु हथियार संपन्न दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने के खतरों की चेतावनी दी थी।

मई 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी देश के अस्तित्व पर सीधे खतरे की स्थिति में परमाणु विकल्प का उल्लेख किया था, हालांकि बाद में उन्होंने इसे बहुत दूर की संभावना बताया।

पाकिस्तान का आधिकारिक रुखनिवारक क्षमता के लिए परमाणु कार्यक्रम

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी सहित कई पाकिस्तानी नेताओं ने अलग-अलग अवसरों पर कहा है कि देश का परमाणु कार्यक्रम राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक निवारक क्षमता के लिए है, न कि आक्रामकता के लिए।

हालांकि, हाल के वर्षों में पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व से जुड़े कुछ बयानों ने परमाणु हथियारों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ाई है। अगस्त 2025 में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के कथित बयानों को लेकर भी विवाद हुआ था। भारत ने ऐसे बयानों को परमाणु धमकी के रूप में देखा था।

जियांग का निष्कर्ष संभावना बेहद कम, लेकिन जोखिम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

जियांग ज़्यूकिन का कहना है कि उनका आकलन इस बात का दावा नहीं करता कि पाकिस्तान परमाणु हमला करने की तैयारी कर रहा है। उनकी चिंता केवल उस स्थिति को लेकर है, जब कोई पारंपरिक संघर्ष इतना गंभीर हो जाए कि पाकिस्तान का नेतृत्व देश के अस्तित्व को खतरे में महसूस करे।

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में परमाणु हथियार केवल निवारक साधन नहीं रह जाते, बल्कि नेतृत्व उन्हें अंतिम विकल्प के रूप में देख सकता है।

हालांकि, जियांग ने अंत में दोहराया कि व्यक्तिगत रूप से उनका मानना है कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना लगभग शून्य है। लेकिन यदि कभी यह भयावह संभावना वास्तविकता में बदलती है तो उनके आकलन के अनुसार इसका सबसे अधिक जोखिम भारत-पाकिस्तान क्षेत्र में देखा जा सकता है।

योगेश्वर राम...

क्योंकि दोनों को प्रशासन एवं धार्मिक स्थलों से जुड़े प्रबंधन कार्यों का अनुभव रहा है।

सेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों ने भी दी टक्कर

हालांकि चयन प्रक्रिया में भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा से जुड़े अधिकारियों का पलड़ा भारी बताया जा रहा है, लेकिन सेना के कई सेवानिवृत्त अधिकारियों ने भी इस पद के लिए साक्षात्कार दिया है।

अंतिम रूप से चुने गए 16 उम्मीदवारों में सेना के कुछ वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। जानकारों का कहना है कि यदि अंतिम निर्णय में किसी सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी के नाम पर मुहर लगती है तो इसमें आश्चर्य नहीं होगा।

5,585 आवेदनों से छांटे गए तीन नाम

राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए चयन प्रक्रिया काफी लंबी और कड़ी रही है। शुरुआत में देशभर से 5,585 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 3,877 उम्मीदवारों ने अपना विस्तृत जीवनवृत्त प्रस्तुत किया।

पहले चरण की जांच के बाद 1,580 उम्मीदवारों की योग्यता एवं प्रस्तुतियों का बारीकी से मूल्यांकन किया गया। इसके बाद 111 उम्मीदवारों के साथ ऑनलाइन संवाद किया गया। आगे की छंटनी के पश्चात 16 उम्मीदवारों को अंतिम साक्षात्कार के लिए चुना गया।

अब इन्हीं उम्मीदवारों में से चयन कर तीन नामों का अंतिम पैनल तैयार किया गया है, जिसे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंपा जाएगा।

इन तीन नामों के पैनल में से कौन राम मंदिर ट्रस्ट का नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनेगा, इसका अंतिम निर्णय श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट करेगा। ट्रस्ट की मंजूरी मिलते ही देश की सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक परियोजनाओं में शामिल राम मंदिर के प्रशासन और प्रबंधन की जिम्मेदारी नए अधिकारी को सौंप दी जाएगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी
भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर
संपर्क करें।

एनजीआरआई में संयुक्त हिन्दी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर-एनजीआरआई के मुख्य भवन में स्थित ई-कक्षा में हैदराबाद स्थित सीएसआईआर की तीनों प्रयोगशालाओं, सीएसआईआर- एनजीआरआई, सीएसआईआर-आईआईसीटी तथा सीएसआईआई-सीसीएमबी के संयुक्त तत्वावधान में एक पूर्णदिवसीय संयुक्त हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में संकाय सदस्य के रूप में श्री चिलुकूरि वेंकट सुब्बाराव, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-एनजीआरआई, श्रीमती नूपुर रानी प्रसाद, हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-सीसीएमबी, डॉ. सौरभ कुमार, हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर- आईआईसीटी, और श्री कमालुद्दीन जी, विश्रांत हिन्दी प्राध्यापक, हिन्दी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय भारत सरकार उपस्थित थे। इन्होंने क्रमशः राजभाषा कार्यान्वयन में डिजिटल उपकरणों की भूमिका, राजभाषा नीति और इसके प्रावधान, हिन्दी में टिप्पण एवं प्रारूपण लेखन, तथा हिन्दी में पठन-पाठन एवं लेखन अभ्यास विषयों पर आयोजित सत्रों का संचालन किया।

इस पूर्णदिवसीय संयुक्त हिन्दी कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता सीएसआईआर-एनजीआरआई के वरिष्ठतम वैज्ञानिक डॉ. एच.वी.एस. सत्यनारायणा जी ने की। इस दौरान मंच पर सीएसआईआर-एनजीआरआई की वरि. प्रशासन नियंत्रक श्रीमती पी. सुधा रानी, सीएसआईआर-सीसीएमबी के प्रशासन नियंत्रक श्री सी. श्याम सुंदर, सीएसआईआर-आईआसीटी के प्रशासन नियंत्रक श्री रवि कुमार, तथा सीएसआईआर-एनजीआरआई के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी श्री चिलुकूरि वेंकट सुब्बाराव उपस्थित थे।

सीएसआईआर-एनजीआरआई के प्रशासन नियंत्रक श्री अंटोनी पीटर राजा, भंडार एवं क्रय नियंत्रक श्री धर्मेंद्र कुमार, और वित्त एवं लेखा अधिकारी डॉ. सोमू रॉय ने भी इस उपलक्ष्य पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस कार्यशाला में तीनों प्रयोगशाल-ाओं से 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला का समन्वयन तीनों प्रयोगशालाओं के हिन्दी अधिकारियों ने किया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 171वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर 16 को

मल्लापुर में हृदय, हड्डी, नेत्र, दंत एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाएं होंगी उपलब्ध

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज कृष्ण सखियां, नाचारम-मल्लापुर शाखा के सहयोग से 171वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार, 16 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक मल्लापुर मुख्य सड़क स्थित श्री वाग्देवी टेक्नो स्कूल में किया जाएगा।

यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा हड्डी, हृदय, विद्युत हृदय परीक्षण, द्वि-आयामी हृदय परीक्षण, अस्थि खनिज घनत्व परीक्षण, रक्त शर्करा, रक्तचाप एवं सामान्य चिकित्सा संबंधी सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

नेत्र एवं दंत जांच की भी रहेगी विशेष व्यवस्था

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुड़ा द्वारा निशुल्क नेत्र जांच की जाएगी। आवश्यकता वाले मरीजों को निशुल्क चश्मे उपलब्ध कराने के साथ ही मोतियाबिंद ऑपरेशन की भी व्यवस्था की जाएगी।

इस अवसर पर डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरणदास रणछोड़दास) के डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खेरिया सुगंधी द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच की सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा प्रदान की जाएगी। वहीं, दांतों की जांच एवं परामर्श की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज द्वारा दी जाएगी।श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा दिव्यांगजनों की जांच कर उन्हें आवश्यकता अनुसार निशुल्क सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग, जैसे कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स एवं हाथ से संबंधित सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे।

शिविर में आवश्यक रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था भी रहेगी। रोगियों से आग्रह किया गया है कि वे अपने साथ पूर्व की स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट अवश्य लेकर आएं, ताकि उनकी स्थिति के अनुसार उचित परामर्श प्रदान किया जा सके।

शिविर का लाभ लेने के लिए नाम पंजीकरण सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक स्थल पर किया जा सकेगा, जबकि शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, सुनैना नरसरिया, निशा गुप्ता, मंदाकिनी अग्रवाल एवं अनिका अग्रवाल से संपर्क किया जा सकता है।

सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी : जगन गुप्ता

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगन गुप्ता ने कहा कि जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना मानव सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। नियमित रूप से की जाने वाली सेवा समाज में संवेदना, सहयोग और सेवा संस्कार को मजबूत करती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं और इससे समाज के अन्य लोगों को भी सेवा के लिए आगे आने की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम में नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

संघी एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा विद्यार्थियों में स्कूल एवं खेलकूद यूनिफ़ॉर्म वितरित

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। संघी एजुकेशनल ट्रस्ट के सहयोग से संघी समिति तेलंगाना द्वारा सुल्तान बाजार, कोठी स्थित आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल के विद्यार्थियों को दो-दो सेट स्कूल वर्दी एवं एक-एक सेट खेलकूद की वर्दी वितरित की गई।

इस अवसर पर निर्मला संघी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें तथा भविष्य में डॉक्टर एवं इंजीनियर बनकर अपने माता-पिता, विद्यालय और समाज का नाम रोशन करें।

कार्यक्रम में पंकज कुमार संघी ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि चलना और हंसना सबसे अच्छी दवा है। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ हंसी-खुशी का वातावरण बनाते हुए हंसी चिकित्सा भी करवाई तथा नियमित रूप से व्यायाम करने और प्रसन्न रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर विद्यालय के संवाददाता प्रदीप जाजू, उमा दुबे, भक्त राम, पद्मा, वीणा शुक्ला, चित्रा एवं मालिनी सहित संघी समाज के प्रतिभा संघी, सुभाष संघी, निर्मला संघी, अनिल संघी, पंकज कुमार संघी एवं कविता संघी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के हित में किए गए इस सराहनीय सहयोग के लिए संघी एजुकेशनल ट्रस्ट एवं संघी समिति तेलंगाना के प्रति आभार व्यक्त किया।

अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल शाखा की सावन सैर सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) - अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल शाखा द्वारा सावन सैर का भव्य आयोजन रविवार, 9 अगस्त को इब्राहिमपट्टनम स्थित श्री नेचर्स वैली रिसॉर्ट में किया गया।

शाखा अध्यक्ष मुकेश कुमार अग्रवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रसेन महाराज की पूजा के साथ हुआ। इसमें सभी आयु वर्ग के करीब 125 सदस्यों ने भाग लिया।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के कोषाध्यक्ष सी.ए. राजगोपाल अग्रवाल का सम्मान किया गया। महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल, तंबोला, लकी ड्रॉ का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को चांदी के सिक्के पुरस्कार स्वरूप दिए गए। सदस्यों ने क्रिकेट, स्विमिंग पूल और वाटर राइड्स का भी आनंद लिया।

मंत्री राजेश कुमार अग्रवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विरेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेश बंसल, नवीन अग्रवाल सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर उत्साह, महावीर भवन में ध्वज वितरण शुरू

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) - आजादी का अमृत महोत्सव के तहत केंद्र सरकार के 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर शहर में उत्साह है। इसी क्रम में बुधवार को फीलखाना स्थित महावीर भवन में जैनाचार्य पूज्य श्री विमलसागर सुरीश्वरजी महाराज साहेब की पावन निश्रा में ध्वज वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

लायंस इंटरनेशनल जिला-320 पशु कल्याण के जिलाध्यक्ष प्रेमचंद मुणोत जैन और प्राणी मित्र रमेश जागीरदार फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार जैन ने नागरिकों से 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की।

इस अवसर पर जैनाचार्य विमलसागर सुरीश्वरजी ने कहा कि तिरंगा शहीदों के बलिदान और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। कार्यक्रम में मुकेश चौहान, जसराज श्रीश्रीमाल, बाबूलाल बागरेचा, राजनारायण मुदिराज सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आयोजकों ने बताया कि 15 अगस्त को प्रातः 9 बजे एग्जीबिशन ग्राउंड स्थित श्री जगद्गुरु हीरसूरी वाटिका में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया जाएगा, जिसमें ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और सार्वजनिक प्रवचन होगा।

रोटरी इंटरनेशनल प्रेसिडेंट यिंका बाबालोला का हैदराबाद दौरा

नवजात गहन देखभाल, अंग्रेजी शिक्षा और 2000 एकड़ वन बहाली पर फोकस

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रोटरी इंटरनेशनल के 2026-27 के प्रेसिडेंट आरटीएन. ओलायिंका एच. यिंका बाबालोला ने भारत में रोटरी नेताओं और सदस्यों के साथ अपनी प्रेसिडेंशियल एंगेजमेंट के तहत हैदराबाद का दौरा किया। उनका स्वागत रोटरी जिला 3150 ने जिला गवर्नर आरटीएन. उदय सुधीर पिलानी के नेतृत्व में किया। कार्यक्रमों का केंद्र थीम था – स्थायी प्रभाव सृजित करें।

नाइजीरियाई इंजीनियर और विकास नेता प्रेसिडेंट यिंका बाबालोला रोटरी इंटरनेशनल के दूसरे नाइजीरियाई और दूसरे अफ्रीकी प्रेसिडेंट हैं। उनका रोटरी सफर रोटरैक्ट से शुरू हुआ और 1994 में वे रोटरी से जुड़े। सदस्यता विकास, पोलियो उन्मूलन और अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व से उनका गहरा जुड़ाव रहा है।

प्रेसिडेंट यिंका का मुख्य संदेश साफ है – बदलाव केवल शुरुआत है, असली बात स्थायी प्रभाव की है। रोटरी क्लबों को सिर्फ परियोजनाएं पूरी करने से आगे बढ़कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका काम समुदायों में मापने योग्य, सार्थक और लंबे समय तक चलने वाला बदलाव लाए।

जिला गवर्नर आरटीएन. उदय सुधीर पिलानी के नेतृत्व में रोटरी जिला 3150 (107 क्लब और 4,000 से अधिक सदस्य) इस वैश्विक दृष्टि को स्थानीय कार्रवाई में बदल रहा है। जिला मापने योग्य प्रभाव में विश्व का नंबर-1 रोटरी जिला बनने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

तीन बड़े परिवर्तनकारी कार्यक्रम जिले की सेवा एजेंडे के केंद्र में हैं। पहला – 18 सरकारी अस्पतालों में नवजात गहन देखभाल इकाइयों (एनआईसीयू) को उन्नत और सुसज्जित करना। दूसरा – तेलंगाना और जिले के आंध्र प्रदेश क्षेत्र में वंचित समुदायों के छात्रों के लिए अंग्रेजी शिक्षा को मजबूत करना। तीसरा – 2,000 एकड़ क्षरित वन भूमि की बहाली, जिसकी शुरुआत 450 एकड़ के गुर्रम गुड़ा वन रिजर्व से होगी।

हैदराबाद एंगेजमेंट की प्रमुख विशेषता सीएसआर कॉन्क्लेव है, जिसमें कॉरपोरेट्स, बिजनेस लीडर्स, परोपकारी, सरकारी प्रतिनिधि और रोटरी नेता एक साथ आ रहे हैं। उद्देश्य है संसाधन, स्वयंसेवी नेटवर्क और संस्थागत समर्थन को जोड़कर बड़े पैमाने पर सामाजिक परिवर्तन लाना।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

22ए प्रतिबंधित सूची से न घबराएं संपत्ति मालिक, गलती से शामिल संपत्तियों को हटाएगी सरकार: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को राज्य के संपत्ति मालिकों से अपील की कि वे धारा 22ए की प्रतिबंधित सूची में शामिल संपत्तियों को लेकर घबराएं नहीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे खुद यह जिम्मेदारी लेंगे कि इस नियम के कारण किसी भी वास्तविक मालिक को अपने प्लॉट, फ्लैट या घर से हाथ न धोना पड़े।

केपीएचबी कॉलोनी में इंदिरम्मा हाउसिंग टावर्स के निर्माण की आधारशिला रखने के बाद आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्टाम्प और पंजीकरण विभाग को उन संपत्तियों को डी-नोटिफाई (सूची से बाहर) करने के आदेश जारी करेंगे जो गलती से धारा 22ए सूची में शामिल कर ली गई थीं, ताकि उनका पंजीकरण सुचारू रूप से हो सके। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि वे अपनी संपत्ति नहीं खोएंगे और उनसे आग्रह किया कि इस मुद्दे पर कांग्रेस सरकार को बदनाम करने के इरादे से फैलाए जा रहे झूठे प्रचार पर विश्वास न करें।

यह आश्वासन रजिस्ट्रेशन एक्ट की धारा 22ए के तहत बड़े पैमाने पर जमीनों और संपत्तियों को प्रतिबंधित श्रेणी में डाले जाने की खबरों के बीच आया है। इसके कारण संपत्ति मालिकों में भारी चिंता थी, क्योंकि वे अपनी आपातकालीन वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी संपत्तियों को बेचने, स्थानांतरित करने या बंधक रखने में असमर्थ थे।

कई लोग अपने प्लॉट, फ्लैट और मकानों की स्थिति पर स्पष्टता के लिए राजस्व और स्टाम्प एवं पंजीकरण विभागों के चक्कर लगा रहे थे। संपत्ति मालिकों की शिकायत थी कि कई मामलों में, यदि किसी सर्वे नंबर का एक हिस्सा भी सरकारी जमीन घोषित किया गया, तो पूरे सर्वे नंबर को प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया गया। इससे उस सर्वे नंबर में स्थित सभी प्लॉट, फ्लैट और मकानों की बिक्री या हस्तांतरण पर रोक लग गई।

स्थानीय निवासियों का यह भी आरोप था कि हैदराबाद के कई अपार्टमेंट परिसरों, साथ ही रंगारेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरि, विकाराबाद और अन्य जिलों के स्वतंत्र मकानों और भूखंडों को वैध ऋक्कउ या क्वृअ भवन अनुमति, कब्जा प्रमाण पत्र और संपत्ति कर रसीदें होने के बावजूद प्रतिबंधित श्रेणी में रख दिया गया था।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दोहराया कि वास्तविक संपत्ति मालिकों को डरने की कोई आवश्यकता नहीं है और जहां कहीं भी गलत तरीके से संपत्तियों को सूची में शामिल किया गया है, सरकार वहां सुधारात्मक कदम उठाएगी।

उन्होंने लोगों से प्रशासनिक मुद्दों और सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे भ्रामक अभियानों के बीच अंतर करने की अपील की। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर कुछ लोगों द्वारा फैलाए जा रहे झूठे प्रचार पर विश्वास न करें। उनके 10 साल के शासन की तुलना अपने भाई की सरकार के दो सालों से करें।

बीआरएस पर तीखा हमला

मुख्यमंत्री ने बीआरएस नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उनमें से कुछ पड़ोसी राज्यों जैसे कर्नाटक और तमिलनाडु में 'क्षुद्र पूजा' और टोना-टोटका करा रहे हैं ताकि तेलंगाना में बारिश न हो, सूखा पड़े और लोग परेशान हों, जिससे वे कांग्रेस सरकार को दोष दे सकें।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि अल नीनो के प्रभाव के बावजूद हाल ही में तेलंगाना में अच्छी बारिश हुई है, जिससे येलमपल्ली जलाशय भर गया है और हैदराबाद में पेयजल की समस्या हल हो गई है। उन्होंने कहा, ''मेरी नीयत साफ है और मैं लोगों का भला करना चाहता हूं, इसलिए भगवान ने मेरा साथ दिया।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके पास तेलंगाना के कल्याण के लिए काम करने की उम्र, धैर्य और दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास विकास करने की नीयत और ईश्वर का आशीर्वाद है। जो लोग बुरी मानसिकता के साथ टोना-टोटका कर रहे हैं, उन्हें अंततः खुद ही इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा।'' उन्होंने लोगों से सरकार का समर्थन जारी रखने की अपील की और 10 वर्षों में राज्य व हैदराबाद का कायाकल्प करने का वादा किया।

'घर-घर इंदिरम्मा सिलाई मशीन' योजना से पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 13 अगस्त

तेलंगाना सरकार ने पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'घर-घर इंदिरम्मा सिलाई मशीन' योजना शुरू की है। परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने गुरुवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में योजना का औपचारिक शुभारंभ किया।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दे रही है। योजना के तहत महिलाओं को केवल सरकारी सहायता देने के बजाय उन्हें सिलाई के माध्यम से स्थायी स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

योजना के पहले चरण में राज्य के 119 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1,19,000 स्वचालित सिलाई मशीनें वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 1,000 महिलाओं को मशीन उपलब्ध कराने की योजना है। प्रत्येक मशीन का मूल्य 12,000 रुपये बताया गया है और पात्र लाभार्थियों को यह शत-प्रतिशत अनुदान पर दी जाएगी।

पात्र महिलाओं से 15 अगस्त से 15 सितंबर तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। योजना में अत्यंत गरीब महिलाओं, विधवाओं, एकल महिलाओं, बेघर, अनाथ और दिव्यांग महिलाओं को नियमों के अनुसार प्राथमिकता देने की बात कही गई है। सिलाई के काम में अनुभव रखने वाली महिलाओं को भी प्राथमिकता दी जाएगी।

लाभार्थियों का चयन निर्धारित सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। योजना के तहत चयनित महिलाओं को सिलाई मशीन के उपयोग का आवश्यक प्रशिक्षण दिए जाने की भी जानकारी दी गई है। इससे सरकार का उद्देश्य यह है कि मशीन प्राप्त करने वाली महिलाएं उसका उपयोग कर अपने घर से आय अर्जित कर सकें।

मंत्री ने कहा कि योजना के लिए आवेदन करने वाली महिलाओं की संख्या निर्धारित लक्ष्य से अधिक हो सकती है। ऐसे में पहले चरण में 1.19 लाख पात्र महिलाओं को लाभ देने के बाद भविष्य में योजना का विस्तार करने पर विचार किया जाएगा।

महिलाओं के लिए अन्य स्वरोजगार पहलों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार निःशुल्क बस यात्रा के अलावा पेट्रोल पंप, राज्य सड़क परिवहन निगम और अन्य क्षेत्रों में भी महिलाओं के लिए रोजगार तथा स्वर-ोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के माध्यम से आत्मसम्मान भवनों के निर्माण के लिए भी धनराशि उपलब्ध कराने की बात उन्होंने कही।

मंत्री ने बताया कि 14 अगस्त को शाम चार बजे हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण के मैदान के सामने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाओं का अनावरण करेंगे। उन्होंने बताया कि 18 अगस्त को सरदार सर्वाई पापन्ना गौड़ की जयंती के अवसर पर टैंक बंड पर उनकी प्रतिमा का अनावरण भी मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा।

इन दोनों कार्यक्रमों में पिछड़ा वर्ग के जनप्रतिनिधियों, विभिन्न पिछड़ा वर्ग संगठनों और जातीय संगठनों के प्रतिनिधियों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

कार्यक्रम में सरकारी सलाहकार वी. हनुमंत राव, सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास और बिरला अयिलैया, विधायक ईरलापल्ली शंकरैया, नवीन यादव, कालेड़ू वेंकटेश, विभिन्न निगमों के अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की सचिव बालमयादेवी तथा संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

योजना से बड़ी संख्या में महिलाओं को सिलाई मशीन उपलब्ध होने की उम्मीद है। हालांकि, इसका वास्तविक प्रभाव लाभार्थियों के चयन, समय पर मशीनों के वितरण, प्रशिक्षण और महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने जैसी व्यवस्थाओं पर निर्भर करेगा। सरकार की ओर से घोषित लक्ष्य के अनुसार पहले चरण में 1.19 लाख महिलाओं को इसका लाभ दिया जाना प्रस्तावित है।

रेगा कांताराव की गिरफ्तारी की खबर गलत, डीसीपी शिल्पावली ने किया स्पष्ट

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)

पिनपाका विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रेगा कांताराव की गिरफ्तारी को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही खबरों को खैरताबाद जोन की डीसीपी शिल्पावली ने गलत बताया है। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि पंजागुट्टा पुलिस थाने में रेगा कांताराव के खिलाफ दर्ज मामले की जांच फिलहाल जारी है और अभी तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है।

दरअसल, महिला से जुड़े यौन आरोपों के मामले में रेगा कांताराव के खिलाफ पंजागुट्टा पुलिस थाने में मामला दर्ज होने के बाद सोशल मीडिया पर उनकी गिरफ्तारी की खबरें तेजी से प्रसारित होने लगीं। कुछ संदेशों और पोस्ट में दावा किया गया कि पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। इन खबरों के बाद मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी चर्चा तेज हो गई।

इसी बीच खैरताबाद जोन की डीसीपी शिल्पावली ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि रेगा कांताराव के खिलाफ दर्ज मामला अभी जांच के चरण में है। उन्होंने साफ किया कि अब तक पूर्व विधायक की गिरफ्तारी नहीं हुई है। डीसीपी ने सोशल मीडिया पर उनकी गिरफ्तारी को लेकर किए जा रहे प्रचार को गलत बताते हुए लोगों से ऐसी खबरों पर विश्वास नहीं करने की अपील की।

पुलिस के अनुसार, मामला फिलहाल जांच के अधीन है। जांच के दौरान शिकायत में लगाए गए आरोपों, उपलब्ध साक्ष्यों और संबंधित लोगों के बयानों की जांच की जाएगी। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी।

बतायें चलें कि एक महिला की शिकायत के आधार पर रेगा कांताराव के खिलाफ पंजागुट्टा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। महिला ने पूर्व विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

रेगा कांताराव ने महिला द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने मामले को लेकर कानूनी प्रक्रिया का भी सहारा लिया है। इसलिए इस समय शिकायत में लगाए गए आरोपों को अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। आरोपों की पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही हो सकेगी।

रेगा कांताराव की गिरफ्तारी को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही खबरों के कारण लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हुई। गिरफ्तारी जैसे संवेदनशील मामले में आधिकारिक पुष्टि के बिना खबर प्रसारित होने से गलत सूचना फैलने की संभावना रहती है।

डीसीपी शिल्पावली ने इसी को ध्यान में रखते हुए लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट खबरों और अफवाहों पर भरोसा न करें। किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी से संबंधित जानकारी को आधिकारिक पुलिस स्रोत से सत्यापित करने के बाद ही आगे साझा किया जाना चाहिए।

फिलहाल रेगा कांताराव के खिलाफ दर्ज मामला पुलिस जांच के अधीन है और उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। आगे जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी।

मामले में महिला द्वारा लगाए गए आरोप जांच का विषय हैं, जबकि रेगा कांताराव को दोषी ठहराने का निर्णय केवल सक्षम न्यायालय द्वारा किया जा सकता है। इसलिए वर्तमान स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यही है कि पुलिस की ओर से गिरफ्तारी की खबर को गलत बताया गया है और मामला अभी जांच के चरण में है।

फिल्म निर्माता की कार का कहर, महिला के पैर में फ्रैक्चर

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)

अबिड्स इलाके में चैपल रोड पर एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से ड्यूटी से घर लौट रही महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में महिला के पैर में फ्रैक्चर होने की जानकारी सामने आई है। इस घटना का सीसीटीवी रिकार्ड पास में लगे कैमरे में कैद हुई है, घायल महिला की पहचान नांपल्ली अंडलम्मा बस्ती निवासी सुनीता के रूप में हुई है, जो गनफाउंड्री स्थित एसबीआई बैंक में हाउसकीपिंग कर्मचारी के तौर पर काम करती हैं।

जानकारी के अनुसार सुनीता ड्यूटी खत्म करने के बाद पैदल अपने घर जा रही थीं। इसी दौरान चैपल रोड पर अचानक एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

हादसे के बाद पीड़िता के परिवार ने कार मालिक और फिल्म निर्माता बोम्मक मुरली से संपर्क कर अस्पताल के इलाज का खर्च उठाने की मांग की। परिवार का आरोप है कि इस दौरान कार मालिक ने कथित तौर पर मदद से इनकार कर दिया और दुर्घटना की जिम्मेदारी लेने से भी इनकार किया।

परिवार के अनुसार, कार चालक महानंद को लेकर भी कार मालिक की ओर से अलग-अलग बातें कही गईं। शुरुआत में कथित तौर पर कहा गया कि चालक कार को बिना जानकारी लेकर गया था और दुर्घटना के लिए उसकी जिम्मेदारी है। बाद में चालक द्वारा कार में उनकी पत्नी को लेकर जाने की बात सामने आने का दावा किया गया।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पीड़िता के परिवार ने नाराजगी जताते हुए सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि एक ओर महिला अस्पताल में गंभीर चोटों के साथ इलाज करा रही है, वहीं दूसरी ओर दुर्घटना के बाद जिम्मेदारी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है।घटना की सूचना मिलने के बाद अबिड्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुर्घटना के कारण, वाहन कौन चला रहा था, चालक की भूमिका और कार मालिक से जुड़े आरोपों की जांच कर रही है। फिलहाल घायल सुनीता अस्पताल में उपचाराधीन हैं। हादसे ने सड़क सुरक्षा के साथ-साथ दुर्घटना के बाद पीड़ित की मदद और जिम्मेदारी तय करने को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

मिधानि ने जीई एयरोस्पेस से एस400 का अनुमोदन प्राप्त किया

भारतीय विनिर्माण और सामग्री उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक गौरवपूर्ण उपलब्धि

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मिधानि भारत की पहली ऐसी कंपनी बन गई है, जिसे जीई एयरोस्पेस से विभिन्न प्रकार के रासायनिक, यांत्रिक और धातुकर्मीय परी-क्षणों के लिए इंडिपेंडेंट एंड इंटरनेशनल मेटैलिक मटेरियल लेबोरेटरी (एस400) अनुमोदन प्राप्त हुआ है।

यह प्रतिष्ठित मान्यता गुणवत्ता, तकनीकी उत्कृष्टता और धातु सामग्री के परीक्षण एवं योग्यता निर्धारण में वैश्विक मानकों के प्रति मिधानि की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह उपलब्धि वैश्विक एयरोस्पेस उद्योग के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में मिधानि की स्थिति को और मजबूत करती है तथा उन्नत सामग्रियों के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।हम जीई एयरोस्पेस द्वारा हम पर जताए गए विश्वास और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। साथ ही, हम अपनी समर्पित टीम के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी विशेषज्ञता और प्रतिबद्धता ने इस उपलब्धि को संभव बनाया। हम वैश्विक एयरोस्पेस इकोसिस्टम में भारत की क्षमताओं को निरंतर सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मोबाइल के अत्यधिक इस्तेमाल के बाद अभिनेत्री शकीला की गर्दन की सर्जरी, तीन लाख तक आया खर्च

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)

जानी मानी अभिनेत्री शकीला ने हाल ही में गर्दन की गंभीर समस्या के कारण सर्जरी कराई है। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो साझा कर अपनी स्वास्थ्य समस्या के बारे में जानकारी दी। वीडियो में वह गर्दन पर कॉलर पहने नजर आईं और अस्पताल में इलाज तथा घर लौटने के बाद स्वास्थ्य लाभ के दौरान की स्थिति भी साझा की।

शकीला के अनुसार, वह लंबे समय तक मोबाइल फोन का इस्तेमाल करती थीं। उन्होंने बताया कि कई बार वह बिस्तर पर एक तरफ झुककर लगातार करीब चार घंटे तक मोबाइल पर खेल खेलती थीं। इसके बाद सामाजिक माध्यमों पर सामग्री और छोटे वीडियो देखने में भी काफी समय बिताती थीं। उनके अनुसार, इसी तरह लंबे समय तक मोबाइल इस्तेमाल और गर्दन की गलत मुद्रा के कारण उनकी गर्दन की नसों पर गंभीर असर पड़ा और अंततः उन्हें सर्जरी करानी पड़ी।

शकीला ने अपनी आपबीती साझा करते हुए मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल को लेकर लोगों को सावधान किया। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों के हाथों में मोबाइल फोन देने से बचने और स्वयं भी जरूरत के अनुसार ही मोबाइल का इस्तेमाल करने की सलाह दी।

रिपोर्टों के अनुसार, उनकी गर्दन की सर्जरी पर करीब तीन लाख रुपये खर्च हुए। अस्पताल से लौटने के बाद साझा किए गए वीडियो में वह गर्दन का सहारा देने वाला कॉलर पहने दिखाई दीं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य समस्या के दौरान उन्हें बिस्तर से उठने और भोजन करने जैसे सामान्य कार्यों में भी सहायता की आवश्यकता पड़ी।

शकीला की इस घटना ने लंबे समय तक मोबाइल फोन इस्तेमाल करने और गलत मुद्रा में रहने से गर्दन पर पड़ने वाले दबाव को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू कर दी है। चिकित्सकीय विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक गर्दन झुकाकर मोबाइल देखने से गर्दन की मांसपेशियों और रीढ़ पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इसे आम तौर पर 'टेक नेक' जैसी समस्या से जोड़ा जाता है। इससे गर्दन में दर्द, अकड़न, कंधों में परेशानी और सिरदर्द जैसी शिकायतें हो सकती हैं।

हालांकि, यह कहना सही नहीं होगा कि मोबाइल फोन का इस्तेमाल सीधे तौर पर हर व्यक्ति में ऐसी गंभीर बीमारी या सर्जरी का कारण बनता है। चिकित्सकीय जानकारी के अनुसार, गर्दन की समस्या कई कारणों से हो सकती है और किसी व्यक्ति की पहले से मौजूद रीढ़ संबंधी समस्या, गलत मुद्रा, लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहना तथा अन्य शारीरिक कारण भी इसमें भूमिका निभा सकते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, मोबाइल इस्तेमाल करते समय फोन को आंखों के स्तर के करीब रखना, लगातार लंबे समय तक एक ही मुद्रा में न बैठना और बीच-बीच में पर्याप्त विश्राम लेना गर्दन पर पड़ने वाले अनावश्यक दबाव को कम करने में मदद कर सकता है। यदि गर्दन में लगातार दर्द, हाथ या कंधे तक फैलने वाला दर्द, सुन्नपन, झनझनाहट या कमजोरी जैसी शिकायत हो तो चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

शकीला ने अपनी परेशानी को लोगों के लिए चेतावनी के रूप में साझा करते हुए कहा कि मोबाइल उपयोग सीमित रखना चाहिए। उनकी इस अपील का मुख्य संदेश यही है कि मोबाइल आज की जरूरत जरूर है, लेकिन उसका लंबे समय तक गलत मुद्रा में इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए परेशानी पैदा कर सकता है।

फिलहाल शकीला सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं। उनकी कहानी ने मोबाइल और सामाजिक माध्यमों के बढ़ते इस्तेमाल के बीच लोगों को अपनी दिनचर्या, बैठने की मुद्रा और स्क्रीन समय पर ध्यान देने का संदेश दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.